KIMAYA
Nurturing Childhood with Divine Power

व्याकरण कलश

सहायक पुस्तिका

6-8

- नवीन महत्वपूर्ण तथ्य
- रचनात्मक शिक्षण-सामग्री
- पर्याप्त अभ्यास-कार्य

लेखकः
राजेश कुमार
एम०ए० (हिंदी)

WEB SUPPORT AVAILABLE
www.dhananandpublications.com

E-LEARNING
INSTRUCTOR'S HANDBOOK
SOLVABLE QUESTIONNAIRE
LESSON PLANS
EXAM MAKER

1 भाषा और व्याकरण

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

उत्तर— (क) अपने मन के भावों को हम दूसरों के सामने बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं। हमारे द्वारा किया गया भावों व विचारों का यह आदान-प्रदान ही भाषा कहलाता है।

(ख) भाषा के निम्नलिखित दो रूप होते हैं—1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा

(ग) बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप होता है। जैसे—राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, ब्रजभाषा आदि बोलियाँ हैं।

(घ) भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है, जबकि बोली का क्षेत्र सीमित होता है।

(ङ) किसी भाषा के लिखने की विधि को लिपि कहते हैं।

(च) व्याकरण द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है। व्याकरण के नियमों से भाषा को शुद्ध रूप से बोलना और लिखना आता है। व्याकरण द्वारा शब्द रचना और वाक्य रचना का ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

2. उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

मौखिक, संस्कृत, व्याकरण, देवनागरी, बिहार, रोमन

उत्तर— (क) हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है।

(ख) भाषा के दो रूप होते हैं— **मौखिक** तथा लिखित।

(ग) भोजपुरी भाषा **बिहार** राज्य में बोली जाती है।

(घ) **व्याकरण** भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

(ङ) अंग्रेजी भाषा की लिपि **रोमन** है।

(च) **संस्कृत** की लिपि देवनागरी है।

3. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य

(घ) असत्य (ङ) सत्य।

4. निम्नलिखित भाषाओं के सामने उनकी लिपि लिखिए—

उत्तर—

अरबी	**अरबी**	अंग्रेजी	**रोमन**	उर्दू	**फारसी**
संस्कृत	**देवनागरी**	हिंदी	**देवनागरी**	पंजाबी	**गुरुमुखी**

5. नीचे दी गई लिपियों से संबंधित सही भाग पर (✔) का चिह्न लगाइए—

उत्तर—

देवनागरी	संस्कृत **(✔)**	गुरुमुखी	रूसी
चित्रलिपि	उर्दू	भोजपुरी	चीनी **(✔)**

फ़ारसी	अंग्रेजी	उर्दू (✔)	कन्नड़
रोमन	पंजाबी	अरबी	अंग्रेजी (✔)
गुरुमुखी	पंजाबी (✔)	चीनी	जापानी

6. निम्नलिखित राज्यों की प्रमुख भाषा पर (✔) का निशान लगाइए—

उत्तर—

(क) असम : अंग्रेजी / असमिया (✓)

(ख) केरल : मलयालम (✓)/ हिंदी

(ग) मेघालय : तमिल / खासी (✓)

(घ) पंजाब : कन्नड़ / पंजाबी (✓)

(ङ) उत्तर प्रदेश : हिंदी (✓) / बंगाली

(च) गोवा : कोंकणी (✓) / उर्दू

(छ) गुजरात : बंगाली / गुजराती (✓)

(ज) हरियाणा : हिंदी (✓) / मराठी

(झ) दिल्ली : पहाड़ी / हिंदी (✓)

(ञ) मध्य प्रदेश : कश्मीरी / हिंदी (✓)

(ट) सिक्किम : हिंदी (✓) / पुर्तगाली

(ठ) त्रिपुरा : त्रिपुरी (✓) / भोजपुरी

(ड) आंध्र प्रदेश : राजस्थानी / तेलुगू (✓)

(ढ) महाराष्ट्र : फ्रेंच / मराठी (✓)

2 वर्ण-विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) उस छोटी-से-छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं, जिसके ओर टुकड़े नहीं किए जा सकते। इसके दो भेद होते हैं।

(ख) **ह्रस्व स्वर**—अ, इ, उ। **दीर्घ स्वर**—आ, ई, ऊ।

(ग) स्वरों के उच्चारण हेतु किसी अन्य वर्ण की आवश्यकता नहीं होती परंतु व्यंजनों के उच्चारण हेतु स्वरों की आवश्यकता हाती है।

(घ) एक से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहते हैं। जब स्वररहित व्यंजन का समान स्वरसहित व्यंजन से मेल होता है, तब वह द्‌वित्व व्यंजन कहलाता है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) वर्णों के क्रमबद्‌ध समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

(ख) **अनुस्वार** का उच्चारण नाक से होता है।

(ग) ह्रस्व स्वर संख्या में **चार** हैं।

(घ) सच्चा, गन्ना में **द्‌वित्व** व्यंजन प्रयुक्त हुए हैं।

3. निम्नलिखित द्‌वित्व व्यंजनों वाले तीन-तीन शब्द लिखिए—

उत्तर—

क् + क = क्क	**पक्का**	**मक्का**	**चक्की**
च् + च = च्च	**बच्चा**	**सच्चा**	**कच्चा**

ज् + ज = ज्ज	**सज्जा**	**मज्जा**	**छज्जा**
द् + द = द्द	**रद्दी**	**गद्दी**	**चद्दर**

4. **उदाहरण के अनुसार 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए तीन-तीन शब्द लिखिए—**

उत्तर—

र	रचना	**राम**	**राघव**	**रघु**
र्	सिर्फ	**कर्म**	**मर्म**	**चर्म**
्र	प्राण	**प्रयोग**	**प्रस्तर**	**प्रेम**
्र	ड्रम	**ट्रक**	**ट्रेन**	**ड्रिल**

3 शब्द-विचार

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

(ख) शब्द-भेद को चार आधारों पर बाँटा गया है—1. रचना के आधार पर, 2. उत्पत्ति के आधार पर, 3. अर्थ के आधार पर, 4. प्रयोग के आधार पर।

(ग) **अनेकार्थक शब्द**—जिन शब्दों का प्रयोग अनेक अर्थों में किया जा सके, वे अनेकार्थक शब्द कहलाते हैं।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तर— (क) जो यौगिक शब्द विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें **योगरूढ़ शब्द** कहते हैं।

(ख) 'जलज' **योगरूढ़** शब्द है।

(ग) **तत्सम** शब्दों का रूप नहीं बदलता है।

(घ) 'खिड़की' **देशज** शब्द है।

3. **'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—**

उत्तर— (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य

4. **निम्नलिखित विदेशी शब्द किस भाषा के हैं? लिखिए—**

उत्तर—

(क) बेगम	**तुर्की**	(ख) स्कूल	**अंग्रेजी**
(ग) नमक	**फारसी**	(घ) फौज़	**फारसी**
(ङ) दीवार	**फारसी**	(च) कसम	**अरबी**

5. **निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए—**

उत्तर—

(क) ओष्ठ	**होठ**	(ख) सर्प	**साँप**
(ग) मृत्तिका	**दीवार**	(घ) अक्षि	**आँख**
(ङ) काक	**कौआ**	(च) भ्रमर	**भँवरा**

	(छ) व्याघ्र	**बाघ**	(ज) पृष्ठ	**कागज**

6. **निम्नलिखित वर्ण-समूहों से सार्थक शब्द बनाकर लिखिए—**

उत्तर—	(क) रीमाअल	**अलमारी**	(ख) दारकीचौ	**चौकीदार**
	(ग) ठामिस	**मिठास**	(घ) लागिस	**गिलास**
	(ङ) छमली	**मछली**	(च) तुराचई	**चतुराई**
	(छ) लोकरप	**परलोक**	(ज) नाईआ	**आईना**

4 संधि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) दो वर्णों के परस्पर मेल से उनके मूल रूप में जो परिवर्तन या विकार आ जाता है, उसे संधि कहते हैं। जैसे—गण + ईश = गणेश।

(ख) संधि-विच्छेद का अर्थ है—अलग करना। इस प्रकार संधि में जहाँ दो वर्णों या ध्वनियों के परस्पर मेल से एक नया शब्द बनता है, वहीं संधि-विच्छेद में संधि द्वारा मिले हुए वर्णों या ध्वनियों को अलग किया जाता है। जैसे—महोत्सव (संधि) = महा + उत्सव (संधि-विच्छेद)

2. **निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए—**

उत्तर— (क) दुः + जन = **दुर्जन** (ख) सम् + हार = **संहार**
(ग) गिरि + ईश = **गिरीश** (घ) पो + इत्र = **पवित्र**
(ङ) एक + एक = **एकैक** (च) ने + अन = **नयन**
(छ) सम् + राट = **सम्राट** (ज) वाक् + दान = **वाग्दान**
(झ) मनः + रथ = **मनोरथ** (ञ) जगत् + ईश = **जगदीश**
(ट) उत् + चारण = **उच्चारण** (ठ) उत् + लेख = **उल्लेख**

3. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए—**

उत्तर—	(क) उज्ज्वल	**उत् + ज्वल**	(ख) महर्षि	**महा + ऋषि**
	(ग) सत्याग्रह	**सत्य + आग्रह**	(घ) नीरोग	**निः + रोग**
	(ङ) संसार	**सम् + सार**	(च) क्रोधाग्नि	**क्रोध + अग्नि**
	(छ) दुस्साहस	**दुः + साहस**	(ज) दिग्गज	**दिग् + गज**
	(झ) लघूत्तर	**लघु + उत्तर**	(ञ) पित्रनुमति	**पित्र + अनुमति**

5 शब्द-भंडार

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। इन्हें समानार्थी शब्द भी कहते हैं।

(ख) पर्यायवाची शब्द को समानार्थी शब्द भी कहते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए—

उत्तर—	(क)	कपड़ा	**वसन**	**चीर**	**अंबर**
	(ख)	सूर्य	**भानू**	**तमोनुद**	**आदित्य**
	(ग)	जल	**नीर**	**वारि**	**पेय**
	(घ)	घर	**गृह**	**आवास**	**निकेतन**

विलोम शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) एक-दूसरे का विपरीत या उलटा अर्थ प्रकट करने वाले शब्द विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।

(ख) विलोम शब्द को विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर कीजिए—

उत्तर— (क) व्यापार में लाभ और **हानि** तो लगी ही रहती है।

(ख) कुरसी निर्जीव है लेकिन पौधा **सजीव** है।

(ग) क्या उचित है और क्या **अनुचित** इसका निर्णय करना कठिन है।

(घ) राजीव **आलसी** है और नमन उद्यमी।

अनेकार्थक शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) एक से अधिक अर्थ रखने वाले शब्द अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं।

(ख) 'दल' शब्द के दो अर्थ होते हैं 'पत्ता' तथा 'समूह'।

1. कमल दल पर मेंढक बैठा है।
2. राम के दल में रावण की मृत्यु पर हर्ष की लहर दौड़ गई।

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए—

उत्तर—	लाल	**एक रंग**	**पुत्र**	अर्थ	**मतलब**	**धन**
	जड़	**स्थिर**	**पेड़-पौधों का हिस्सा**	काल	**मृत्यु**	**समय**
	हार	**माला**	**पराजय**	तीर	**किनारा**	**बाण**
	फल	**परिणाम**	**पेड़ का एक भाग**	हरि	**विष्णु**	**साँप**

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) कम-से-कम शब्दों में अपने भावों को अभिव्यक्त करने के लिए अर्थात्

भाषा के क्षेत्र में संक्षिप्तता और प्रभाव-वृद्धि के लिए अनेक शब्दों अर्थात् वाक्यांशों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।

(ख)	जिसके हृदय में दया हो	**दयालु**
	जिसे करना आवश्यक हो	**अनिवार्य**
	जिसके आने की तिथि न हो	**अतिथि**
	जो दिखाई न दे	**अदृश्य**

2. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए—

उत्तर—

(क)	जिसकी आयु कम हो	**अल्पायु**
(ख)	जिसमें बल न हो	**निर्बल**
(ग)	जो दूसरों के अधीन हो	**पराधीन**
(घ)	जिसका आकार हो	**साकार**
(ङ)	जो उपकार को न माने	**कृतघ्न**

समरूपी भिन्नार्थक शब्द

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) वे शब्द जिनके उच्चारण या वर्तनी में समानता प्रतीत होती है परंतु उनके अर्थ भिन्न होते हैं, उन्हें समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

(ख) **आदी**—कमला पहाड़ी मौसम की आदी हो गई है।

आदि—सिंधु-घाटी सभ्यता को भारतीय संस्कृति का आदि माना जाता है।

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर अंतर स्पष्ट कीजिए—

उत्तर— (क) अंतर **राम व रावण की नीतियों में बहुत अंतर था।**

अंदर **घर के अंदर शालीनता से रहना चाहिए।**

(ख) अनिल **पहाड़ों पर ठंडी अनिल बह रही है।**

अनल **लू के कारण वहाँ अनल सी गमी प्रतीत होती है।**

(ग) अवधि **विद्यालय की अवधि छह घंटे होती है।**

अवधी **रामचरितमानस अवधी भाषा में रचित है।**

एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द

प्रश्न-अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों में कुछ गलत शब्दों का प्रयोग हो गया है। उनके स्थान पर सही शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए—

उत्तर— (क) रावण को अपनी शक्ति का झूठा अभिमान था।

(ख) छोटा बच्चा अपनी छाया देखकर डर गया।

(ग) हाथियों का समूह इस ओर आ रहा है।

(घ) कर्मचारी की सहायता से ही कंपनी को मुनाफा हुआ है।

(ङ) समय बहुमूल्य है, उसका महत्व समझने का प्रयत्न करो।

6 उपसर्ग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्दांश मूल शब्दों के आरंभ में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन ला देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

(ख) उपसर्ग के चार भेद होते हैं—1. संस्कृत के उपसर्ग 2. हिंदी के उपसर्ग 3. उर्दू-फारसी के उपसर्ग, 4. संस्कृत के अव्यय।

2. निम्नलिखित उपसर्गों को जोड़कर दो-दो नए शब्द बनाइए—

उत्तर—	(क)	वि	**विजातीय**	**विनाश**
	(ख)	अनु	**अनुस्वर**	**अनुचर**
	(ग)	अधि	**अधिकार**	**अधिकृत**
	(घ)	दुर्	**दुर्जन**	**दुर्बल**
	(ङ)	उप	**उपमंत्री**	**उपचार**
	(च)	अव	**अवगुण**	**अवतरण**

3. निम्नलिखित शब्दों में दो भिन्न-भिन्न उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए—

उत्तर—	गम	(क)	**बेगम**	(ख)	**सुगम**
	कर्म	(क)	**कुकर्म**	(ख)	**सकुर्म**
	कूल	(क)	**अनुकूल**	(ख)	**माकूल**
	देश	(क)	**विदेश**	(ख)	**स्वदेश**

7 प्रत्यय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

(ख) प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं।

कृत प्रत्यय—हँसता, खिलौना।

तद्धित प्रत्यय—बंगाली, मालिन।

2. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्दों की रचना कीजिए—

उत्तर— (क) मीठा + **ई** = **मिठाई** (ख) लाचार + **ई** = **लाचारी**

(ग) घिस + **ता** = **घिसता**
(घ) सुंदर + **ता** = **सुंदरता**
(ङ) झूल + **ती** = **झूलती**
(च) सख्त + **ई** = **सख्ती**
(छ) रंग + **आवट** = **रंगावट**
(ज) शाकाहार + **ई** = **शाकाहारी**
(झ) शास्त्र + **ई** = **शास्त्रीय**
(ञ) चाचा + **ऐरा** = **चचेरा**

3. निम्नलिखित में से मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग कीजिए—

उत्तर—

	मूल	**शब्द**	**प्रत्यय**
(क)	अनुकरणीय	**अनुकरण**	**ईय**
(ख)	ईर्ष्यालु	**ईर्ष्या**	**आलु**
(ग)	शर्मनाक	**शर्म**	**नाक**
(घ)	कश्मीरी	**कश्मीर**	**ई**
(ङ)	घनत्व	**घन**	**त्व**
(च)	सजावट	**सज**	**आवट**

4. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए—

उत्तर—

शब्द	**प्रत्यय**	**नए शब्द (प्रत्यय युक्त)**
भारत	**ईय**	**भारतीय**
बीस	**आई**	**बसाई**
कठिन	**आई**	**कठिनाई**
पुरुष	**ता**	**पुरुषता**

8 समास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जब दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से एक नया शब्द बनाया जाता है, तो शब्द-रचना की इस विधि को व्याकरण में समास कहा जाता है।

(ख) समास के छह भेद होते हैं—

1. अव्ययीभाव समास—जैसे—

समस्त पद	**समास-विग्रह**
प्रतिदिन	प्रत्येक
आजीवन	जीवन रहने तक

2. तत्पुरुष समास—जैसे—

समस्त पद	**समास-विग्रह**
शरणागत	शरण को आगत
रेखांकित	रेखा से अंकित

3. कर्मधारय समास—जैसे—

समस्त पद	**समास-विग्रह**
महापुरुष	महान है जो पुरुष
पीतांबर	पीत (पीला) है जो वस्त्र

4. बहुव्रीहि समास—जैसे—

समस्त पद	**समास-विग्रह**
पीतांबर	पीला है अंबर (वस्त्र)
नीलकंठ	नीला है कंठ (गला)

5. द्‌विगु समास—जैसे—

समस्त पद	**समास-विग्रह**
तिरंगा	तीन रंगों का समूह
त्रिलोक	तीन लोकों का समूह

6. द्‌वंद्‌व समास—जैसे—

समस्त पद	**समास-विग्रह**
लाभ-हानि	लाभ और हानि
सुख-दु:ख	सुख और दु:ख

(ग) समास व संधि दोनों में ही शब्दों के योग से शब्द बनते हैं परंतु दोनों में प्रमुख अंतर यह है कि समास में दो शब्दों के योग से एक सर्वथा नए अर्थ का शब्द भी बन जाता है जबकि संधि में ऐसा नहीं होता है।

2. निम्नलिखित में समास कीजिए—

उत्तर—	**समास-विग्रह**	**समास**
(क)	जन्म से अंधा	**जन्मांध**
(ख)	हाथ से लिखा	**हस्तलिखित**
(ग)	मृग जैसे नयन	**मृगनयनी**
(घ)	देव का आलय	**देवालय**
(ङ)	सब को प्रिय	**सर्वप्रिय**
(च)	नौ ग्रहों का समूह	**नवग्रह**
(छ)	राजा और रंक	**राजा-रंक**

3. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए—

उत्तर—	**समस्तपद**	**समास-विग्रह**		**समस्तपद**	**समास-विग्रह**
(क)	तिरंगा	**तीन रंगों का समूह**	(ख)	दशानन	**दस हैं आनन जिसके (रावण)**
(ग)	रेखांकित	**रेखाओं से अंकित**	(घ)	यथाशक्ति	**शक्ति के अनुसार**

(ङ)	सुख-दु:ख	**सुख और दु:ख**	(च)	चतुर्भुज	**चार भुजाओं वाला**
(छ)	चंद्रशेखर	**चंद्र है शिखर पर जिसके (शिव)**	(ज)	नर-नारी	**नर और नारी**
(झ)	भरपेट	**पेट भरकर**	(ञ)	रातोंरात	**रात और रात**
(ट)	नगरवास	**नगर में वास**	(ठ)	तुलसीकृत	**तुलसी द्वारा कृत**

9

संज्ञा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जिन शब्दों से किसी प्राणी, व्यक्ति, स्थान अथवा भाव के नाम का पता चलता है, उन्हें संज्ञा कहते हैं। जैसे—यह मेरा विद्यालय है, यहाँ विद्यालय एक संज्ञा है।

(ख) संज्ञा के पाँच भेद होते हैं—1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा, 4. द्रव्यवाचक संज्ञा, 5. समूहवाचक संज्ञा।

(ग) **व्यक्तिवाचक संज्ञा**—जिस संज्ञा से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे—विराट कोहली, राजीव गांधी, लक्ष्मीबाई, राहुल, रामचरितमानस, भारत, आगरा आदि।

(घ) भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना चार प्रकार के शब्दों में प्रत्यय लगाकर की जाती है अर्थात् जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाई जाती हैं।

2. निम्नलिखित संज्ञाओं को उनके उचित स्थान पर लिखिए—

उत्तर—

व्यक्तिवाचक संज्ञा —	**लालकिला**	**सूरदास**	**रामायण**	**शिमला**	
जातिवाचक संज्ञा —	**भाई**	**पुस्तक**	**साधु**	**नदी**	**खिलाड़ी**
भाववाचक संज्ञा —	**सुंदरता**	**प्यास**	**अमीरी**	**घबराहट**	**मिठास**
द्रव्यवाचक संज्ञा —	**सोना**	**मिट्टी तेल**	**नीलम**	**दूध,**	**ऊन**
समूहवाचक संज्ञा —	**सेना**	**कक्षा**	**झुंड**	**दल**	**परिवार**

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए—

उत्तर—

(क)	कृति	**कृतित्व**	(ख)	पराया	**परायापन**
(ग)	वीर	**वीरता**	(घ)	कुटिल	**कुटिलता**
(ङ)	अतिथि	**आतिथ्य**	(च)	शीघ्र	**शीघ्रता**
(छ)	स्व	**स्वत्व**	(ज)	ईमानदार	**ईमानदारी**

10 लिंग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जिस शब्द के द्वारा पुरुष या स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) पुल्लिग शब्दों से स्त्रीलिंग बनाने के कुछ नियम इस प्रकार हैं—

1. कुछ अकारांत पुल्लिग शब्दों के अंतिम अ को आ कर देने पर स्त्रीलिंग शब्द बन जाते हैं; जैसे—

पुल्लिग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिग**	**स्त्रीलिंग**
सदस्य	सदस्या	सुत	सुता

2. कुछ अकारांत तथा आकारांत शब्दों के अंतिम अ तथा आ को ई कर देने पर स्त्रीलिंग शब्द बन जाते हैं; जैसे—

पुल्लिग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिग**	**स्त्रीलिंग**
पुत्र	पुत्री	देव	देवी

2. रंगीन शब्दों का लिंग-परिवर्तन करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) नारी को **नर** के समान अधिकार मिलने चाहिए।

(ख) सलमान खान अभिनेता है और कैटरीना कैफ **अभिनेत्री**।

(ग) मैंने उपवन में मोर व **मोरनी** को देखा।

(घ) उसके पास एक गाय और एक **बैल** है।

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए—

उत्तर— (क) लेखक **लेखिका**

(ख) श्रीमान **श्रीमति**

(ग) छात्रा **छात्र**

(घ) पाठक **पाठिका**

(ङ) पत्नी **पति**

(च) निवेदक **निवेदिका**

11 वचन

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) शब्द के जिस रूप से संज्ञा या सर्वनाम के संख्या में एक अथवा एक से अधिक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। जैसे—'बच्चा' शब्द से संज्ञा के संख्या में एक होते अथवा 'बच्चे' से एक से अधिक होने का बोध होता है।

(ख) **एकवचन व बहुवचन में समान रहने वाले पाँच शब्द**

1. आम मीठा है।	1. आम मीठे हैं।
2. साधु तपस्या कर रहा है।	2. साधु तपस्या कर रहे हैं।

3. छात्र पढ़ रहा है।	3. छात्र पढ़ रहे हैं।
4. गायक गाना गा रहा है।	4. गायक गाना गा रहे हैं।
5. हिरन दौड़ रहा है।	5. हिरन दौड़ रहे हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों को एकवचन में लिखिए—

उत्तर—	(क)	धेनुएँ	**धेनु**	(ख)	चोटियाँ	**चोटी**
	(ग)	मालाएँ	**माला**	(घ)	दर्शकगण	**दर्शक**
	(ङ)	सभाएँ	**सभा**	(च)	ऋतुएँ	**ऋतु**
	(छ)	अध्यापक वृंद	**अध्यापक**	(ज)	तोते	**तोता**

3. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में लिखिए—

उत्तर—	(क)	पत्रिका	**पत्रिकाएँ**	(ख)	वस्तु	**वस्तुएँ**
	(ग)	कली	**कलियाँ**	(घ)	बहू	**बहुएँ**
	(ङ)	मजदूर	**मजदूरों**	(च)	लू	**लुएँ**
	(छ)	लड़की	**लड़कियाँ**	(ज)	बात	**बातें**
	(झ)	चिड़िया	**चिड़ियाँ**	(ञ)	पुस्तक	**पुस्तकें**

12

कारक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उसका संबंध सूचित हो, उसे कारक कहते हैं। जैसे—दक्ष ने आम खाया। लता ने नेहा को बुलाया।

(ख) कारक के आठ भेद होते हैं—1. कर्ता 2. कर्म 3. करण 4. संप्रदान 5. अपादान 6. संबंध 7. अधिकरण 8. संबोधन।

(ग) **करण कारक**—कर्ता जिस साधन से क्रिया करता है, उसे करण कारक कहते हैं; जैसे—मोहन साइकिल से स्कूल गया। यहाँ पर 'से' कारक दर्शाता है कि साईकिल साधन से मोहन ने स्कूल तक का सफर किया।,

अपादान कारक—संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना पाया जाए, उसे अपादान कारक कहते हैं; जेसे—मोहन साइकिल से गिर गया। यहाँ पर 'से' कारक दर्शाता है कि मोहन साइकिल से अलग हुआ अर्थात् गिर गया।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त कारक-चिह्नों के द्वारा कीजिए—

उत्तर— (क) निर्धन **को** दान दो।

(ख) प्राची बस **से** उतरी।

(ग) नौकरानी **ने** कमरा साफ कर दिया।

(घ) बच्चा बोतल **से** दूध पी रहा है।

(ङ) सेठ जी **ने** भिखारी **को** रोटी दी।

3. उचित विभक्ति लगाकर शुद्ध रूप में लिखिए—

उत्तर— (क) राम ने रोटी खाई।

(ख) शेखर अपने भाई के लिए पुस्तक लाया।

(ग) राम ने रावण को मारा।

(घ) वह भूख से बेचैन है।

(ङ) माता ने पुत्र को प्यार किया।

(च) विश्वास और धैर्य से काम लो।

(छ) उसकी आँखों से आँसू छलछल गए।

(ज) सुभाषचंद्र बोस ने आजादी की घोषणा की।

4. निम्नलिखित रंगीन पदों में आए कारक के सही नाम पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (i) कर्म कारक (ख) (i) करण कारक

(ग) (ii) संप्रदान कारक (घ) (ii) अधिकरण कारक

(ङ) (i) संबोधन कारक

13 सर्वनाम

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा के स्थान परप्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहा जाता हैं।

(ख) सर्वनाम के मुख्य छह भेद होते हैं—

1. पुरुषवाचक सर्वनाम—उदाहरण—मैंने पाठ पढ़ लिया।
2. निशचयवाचक सर्वनाम—उदाहरण—यह मेरी पुस्तक है।
3. अनिशचयवाचक सर्वनाम—उदाहरण—मुझे लगता है कोई बाहर खड़ा है।
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम—उदाहरण—तुम कौन हो?
5. संबंधवाचक सर्वनाम—उदाहरण—जैसा करोगे वैसा भरोगे।
6. निजवाचक सर्वनाम—उदाहरण—मैं अपने आप बाजार जाऊँगा।

2. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम रेखांकित कीजिए व उसके भेद लिखिए—

उत्तर— (क) पुरुषवाक सर्वनाम (ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(ग) अनिश्चयवाक सर्वनाम (घ) निजवान सर्वनाम

(ङ) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम (च) संबंधवाचक सर्वनाम

14 विशेषण

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

(ख) विशेषण शब्द जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें विशेष्य कहा जाता है।

(ग) **परिमाणवाचक विशेषण**—जो विशेषण शब्द विशेष्य की परिमाण संबंधी विशेषताओं का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे—इसमें चार लीटर तेल आता है। गिलास में थोड़ा-सा पानी है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'चार लीटर' तथा 'थोड़ा-सा' शब्द वाक्य में आए संज्ञा शब्दों क्रमश: 'तेल' और 'पानी' की परिमाण **संख्यावाचक विशेषण**—जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे—मेज पर तीन पुस्तकें रखी हैं। टोकरी में पाँच आम हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'तीन' और 'पाँच' शब्द क्रमश: 'पुस्तकों' तथा 'आमों' की संख्या का बोध करा रहे हैं; अत: ये संख्यावाचक विशेषण हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटिए और उसके भेद भी बताइए—

उत्तर—	**विशेषण**	**भेद**
(क)	थोड़े अनिश्चित संख्यावाचक	विशेषण
(ख)	लाल-लाल गुणवाक	विशेषण
(ग)	सभी अनिश्चित संख्यावाचक	विशेषण
(घ)	65 वर्ष निश्चित संख्यावाचक	विशेषण

3. विशेषण को विशेष्य से मिलाइए—

उत्तर—			
(क)	ठंडा	(i)	हाथी
(ख)	नकलची	(ii)	लोमड़ी
(ग)	चालाक	(iii)	बंदर
(घ)	विशाल	(iv)	पानी

15 क्रिया

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) वे शब्द जिनसे किसी-न-किसी कार्य के होने या करने का पता चले, उन्हें

क्रिया कहते हैं। कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं।

(ख) **सकर्मक क्रिया की पहचान**—क्रिया के साथ 'क्या', 'किस' और 'किसको' प्रश्न करने पर यदि उचित उत्तर मिले। वह सकर्मक क्रिया कहलाएगी; जैसे—

वाक्य	**प्रश्न**	**उत्तर**
मधु कविता पढ़ती है।	क्या पढ़ती है?	कविता
राहुल फिल्म देखेगा।	क्या देखेगा?	फिल्म

अत: ये सकर्मक क्रियाएँ हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए—

उत्तर—

(क)	बात	**बतियाना**	(ख)	हाथ	**हथियाना**
(ग)	थप-थप	**थपथपाना**	(घ)	जगमग	**जगमगाना**
(ङ)	टर्र	**टर्राना**	(च)	गरम	**गरमाना**
(छ)	थर-थर	**थरथराना**	(झ)	फटकार	**फटकारना**

3. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थान कोष्ठक में दी गई धातुओं के उचित क्रिया रूप से भरिए—

उत्तर— (क) जंगल में मोर **नाचता** है। (ख) क्या तुमने चोर को **देखा**?

(ग) सोहन अच्छा **खेलता** है। (घ) नानी ने बच्चों को कहानी **सुनाई**।

16 काल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद होते हैं।

1. **भूतकाल**—राम ने रावण को मारा।, सीता खाना बना रही थी।
2. **वर्तमान काल**—मोहन खाना खा रहा है।, राधा नाच रही है।
3. **भविष्यत् काल**—मैं दिल्ली जाऊँगा।, वह मेरठ आएगा।

(ग) भूतकाल में क्रिया का रूप बीते हुए समय को दर्शाता है। जबकि भविष्यत् काल में क्रिया का रूप आने वाले समय को दर्शाता है।

2. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए काल-भेदों के अनुसार परिवर्तित कर पुन: लिखिए—

उत्तर— (क) बिजली चमक रही है। (ख) शायद कल स्कूल बंद होगा।

(ग) मुझे ऑफिस जाना था। (घ) लगता है वर्षा हो रही है।

(ङ) गरिमा ने भोजन कर लिया था।

3. निम्नलिखित वाक्यों के काल बताइए—

उत्तर— (क) भविष्यत् काल (ख) भूतकाल (ग) वर्तमान काल

(घ) भूतकाल (ङ) भूतकाल

4. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति नीचे दिए गए पूरकों से हो सकती है। एक पूरक गलत है। उस पर (✗) लगाइए—

उत्तर— (i) (ग) वे होंगे

(ii) (ख) जाएगा

17 अविकारी शब्द

I. क्रियाविशेषण

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द क्रिया शब्दों की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

(ख) संज्ञा व सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं जैसे—मेरे पास पाँच किताबें हैं। क्रिया शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं; जैसे—कल वर्षा हो रही थी।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) क्रियाविशेषण **क्रिया** की विशेषता बताते हैं।

(ख) क्रियाविशेषण के **चार** भेद होते हैं।

(ग) 'धीरे-धीरे' **रीतिवाचक** क्रियाविशेषण है।

(घ) 'बाहर' व 'इधर' **स्थानवाचक** क्रियाविशेषण हैं।

II. संबंधबोधक

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के दूसरों के साथ बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।

(ख) संबंधबोधक के भेद दो आधारों पर किए गए हैं—1. प्रयोग के अनुसार 2. अर्थ के अनुसार।

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तर—	(क)	से दूर	मेरा विद्यालय गाँव **से दूर** है।
	(ख)	के पीछे	मंदिर **के पीछे** खेते है।
	(ग)	हेतु	वह सामान बेचने **हेतु** बाजार गया।

(घ) की ओर गाय बाग **की ओर** चली आ रही है।

III. समुच्चयबोधक

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को आपस में जोड़ने का कार्य करते हैं, समुच्चयबोधक कहलाते हैं।

(ख) समुच्चयबोधक के तीन भेद होते हैं।

2. उचित समुच्चयबोधक लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—

उत्तर— (क) अंगूर खट्टे थे **तो** मैंने नहीं खरीदे।

(ख) अभिनव ने दिन-रात परिश्रम किया **परंतु** वह सफल नहीं हो सका।

(ग) नेहा **तथा** आरुषि सगी बहनें हैं।

(घ) प्रीति को घड़ी मिली **और** वह बहुत खुश है।

IV. विस्मयादिबोधक

प्रश्न-अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द हर्ष, शोक, घृणा, विस्मय, लज्जा, आश्चर्य, चेतावनी आदि भावों को प्रकट करते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं।

(ख) विस्मयादिबोधक शब्द सदैव वाक्य के आरंभ में लगाए जाते हैं।

2. उचित विस्मयादिबोधक शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) **अरे!** तुम कहाँ जा रहे हो?

(ख) **अरे!** कितना बड़ा जानवर है?

(ग) **छि: छि:!** कितनी गंदगी है।

(घ) **हाय!** मैं मर गया।

(ङ) **अहा!** कितना स्वादिष्ट भोजन बना है।

18 विराम-चिह्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) वाक्य के बीच-बीच में तथा अंत में विराम को प्रकट करने के लिए निर्धारित चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) अपनी बात व विचारों को व्यक्त करने के लिए हमें कहीं-कहीं कुछ समय के लिए रुकना पड़ता है। कहाँ कितने समय के लिए रुकना है, यह व्यक्त करने के लिए लिखित भाषा में कुछ विशेष चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जिन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

(ग) प्रश्नसूचक वाक्यों को छोड़कर सभी प्रकार के वाक्यों के समाप्त होने पर

पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है।

(घ) **अर्ध विराम**—पूर्ण विराम से आधे समय तक रुकने के लिए अर्ध विराम का प्रयोग किया जाता है। इसका चिह्न है—(;) जैसे—चाची जी चली गईं, वे फिर मिलने आ जाएँगी। भारत संसार का धर्मगुरु है; ऐसा सभी मानते हैं।

अल्प विराम—पढ़ते या बोलते समय बहुत थोड़े समय रुकने के लिए अलपविराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

जब एक ही तरह के शब्द इकट्ठे आ जाएँ; जैसे:
भारतभूमि राम, कृष्ण, महावीर, दयानंद, गांधी जैसे महापुरुषों की है।
राम, लक्ष्मण और सीता वन को गए।

2. उपयुक्त विराम-चिह्न लगाकर वाक्य दोबारा लिखिए—

उत्तर— (क) हे ईश्वर! मेरी रक्षा करो।
(ख) सुनील ने कहा, ‘‘मैं थक गया हूँ।’’
(ग) तुम कौन से विद्यालय में पढ़ते हो?
(घ) रेणू, गीता व पायल पढ़ रही हैं।
(ङ) वह ईमानदार, मेहनती और सज्जन है।
(च) सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ हिंदी के प्रसिद्ध कवि हैं।

3. निम्नलिखित विराम-चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखिए—

उत्तर—

(क)	?	**प्रश्नवाचक चिह्न**	(ख)	;	**अर्द्ध विराम**
(ग)	।	**पूर्ण विराम**	(घ)	-	**योजक चिह्न**
(ङ)	,	**अल्पविराम**	(च)	!	**विस्मयसूचक चिह्न**
(छ)	०	**लाघव चिह्न**	(ज)	‸	**हंसपद या त्रुटिपूरक चिह्न**
(झ)	( )	**कोष्ठक**	(ञ)	‘ ’	**इकहरा अवतरण चिह्न**

4. नीचे दिए गए जिन वाक्यों में विराम-चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है, उनके आगे सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (iv) माँ बोली, ‘‘अभी तुम पढ़ाई करो। शाम को खेलना।’’
(ख) (ii) हम दोनों खाना खाकर, थोड़ी देर आराम करके, पिता जी के साथ घूमने गए।

19 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) मुहावरा एक वाक्यांश है जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विशेष अर्थ का बोध कराता है।
(ख) स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त होने वाली, लोगों द्वारा कही गई उक्ति लोकोक्ति कहलाती है।

2. उचित मुहावरा लिखकर रिक्त स्थान भरिए—

उत्तर— मुँह में पानी आना, कान कतरना, घर सिर पर उठाना, नौ-दो ग्यारह होना, पत्थर की लकीर, खाक में मिलाना

(क) उसके छोटे भाई को बच्चा मत समझो, वह तो बड़ों-बड़ों के **कान कतरता** है।

(ख) बच्चों ने तो **घर सिर पर उठा** रखा है।

(ग) मैंने जो कह दिया उसे **पत्थर की लकीर** समझो।

(घ) हम अपने दुश्मनों को **खाक में मिलाकर** दम लेंगे।

(ङ) पुलिस को आते देख चोर **नौ-दो ग्यारह हो** गए।

(च) चॉकलेट देखकर बच्चों के **मुँह में पानी** आ जाता है।

3. नीचे अधूरी लिखी हुई लोकोक्तियों को स्वयं लिखकर पूरा कीजिए—

उत्तर—

(क)	जल में रहकर	**जल में रहकर** मगर से बैर।
(ख)	अंधों में	**अंधों में** काना राजा।
(ग)	कंगाली में	**कंगाली में** आटा गीला।
(घ)	कोयले की दलाली में	**कोयले की दलाली में** सब काले हैं।
(ङ)	अधजल गगरी	**अधजल गगरी** छलकत जाए।

4. दिए गए अर्थों की सही लोकोक्तियों को रेखांकित कीजिए—

उत्तर— (क) (ii) थोथा चना बाजे घना (ख) (iv) दूध का दूध पानी का पानी

(ग) (ii) ठीक-ठीक न्याय करना

20 कहानी-लेखन

1. दिए गए चित्रों के आधार पर कहानी लिखिए—

उत्तर— प्यासा कौआ

एक बार की बात है; एक जंगल में एक कौआ रहता था। वह दिन-भर इधर-उधर उड़कर भोजन व पानी की तलाश में करता रहता था। भयंकर गर्मी के दिनों में जंगल के सारे तालाब सूख गए। कौआ प्यास से व्याकुल होकर नगर की ओर उड़ चला। बहुत खोजने के बाद उसे एक मटका दिखाई दिया। उसने उसमें झाँककर देखा तो उसकी तली में पानी था। परंतु कौए की चोंच उस पानी तक नहीं पहुँच रही थी। कौए ने सोचा, ''हाय! फूटी किस्मत!'' परंतु उसने देखा की आस-पास बहुत सारे कंकड़ पड़े थे। उसके दिमाग में योजना बनी और उसने धीरे-धीरे कंकड़ों को मटके में डालना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे पानी ऊपर चढ़ने लगा। अब कौए ने मटके में अपनी चोंच डाली और पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई।

शिक्षा—विपरीत परिस्थितियों में सूझ-बूझ से काम लेना चाहिए।

2. दिए गए संकेत के आधार पर कहानी लिखिए—

उत्तर— ईमानदार लकड़हारा

एक लकड़हारा अपने परिवार के साथ एक छोटी झोंपड़ी में रहता था। वह जंगल में पेड़ों से लकड़ी काटकर उन्हें शहर में बेचता था और अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। एक दिन वह जंगल में लकड़ी काट रहा था कि उसकी कुल्हाड़ी एक तालाब में गिर गई। लकड़हारा इससे बहुत उदास हो गया और विलाप करने लगा। तभी अचानक तालाब से एक जल-देवता प्रकट हुए। जल देवता के हाथ में तीन कुल्हाड़ियाँ थीं। एक सोने की, एक चाँदी की और एक साधारण लोहे की कुल्हाड़ी। जल-देवता ने लकड़हारे से कहा, ''मैं जल देवता हूँ। बताओं इनमें से कौन-सी तुम्हारी कुल्हाड़ी है।'' लकड़हारा गरीब था, परंतु ईमानदार था। उसने कहा, ''हे देव! यह साधारण लोहे की कुल्हाड़ी ही मेरी है।'' जल देवता उसकी ईमानदारी से अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने वे तीनों कुल्हाड़ी लकड़हारे को दे दी। लकड़हारा प्रसन्नचित्त अपने घर चला गया।

21 अनुच्छेद-लेखन

निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लिखिए—

उत्तर— (ग) सबसे यादगार समय

हमारे जीवन में ऐसे कई क्षण होते हैं जो हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं। मेरे लिए मेरा विद्यार्थी जीवन ऐसा ही समय था। मैं अपने शहर के एक प्रसिद्ध विद्यालय का छात्र था। हम कई मित्र थे और सब साथ में विद्यालय जाते थे। हमारे गुरुजन बहुत अनुभवी और स्नेहमयी थे। वह हमें सदैव जीवन के अनमोल पाठ सिखाते थे। मुझे मेरा विद्यार्थी जीवन सदैव याद रहेगा।

(ङ) सत्संगति

हमारा आचरण और प्रभाव हमारी संगति पर बहुत निर्भर करता है। अच्छी संगति से हम सद्‌गुणों को प्राप्त करते हैं। समाज में सब हमें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। परंतु बुरी संगति से हमें बुरे गुण प्राप्त होते हैं और समाज में हमें देय दृष्टि से देखा जाता है। अत: हमें सदैव ही अच्छी संगति रखनी चाहिए। हमारे मित्र हमेशा अच्छे व्यक्ति होने चाहिए।

(छ) अगर मैं चिड़िया होता

मैं जब भी नीले आसमान में स्वतंत्रता से उड़ती चिड़ियों को देखता हूँ तो मेरा मन भी होता है कि मैं दूर-दूर स्थानों की यात्रा करता। पर्वतों की चोटियों को पार करता, नदियों के ठंडे जल में स्नान करता, मीठे-मीठे फलों को खाता और वर्षा की बूँदों में अठखेलियाँ करता। मैं जहाँ चाहता वहाँ घूमता और स्वतंत्रता से विचरण करता।

(ज) विज्ञान की हानियाँ

विज्ञान मानव-जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। विज्ञान से ही मानव-जीवन सरल व सुगम हुआ है। परंतु आज मानव ने विज्ञान की दिशा को विनाश की ओर मोड़ दिया है। परमाणु अस्त्रों तथा कृत्रिम समझ के दुष्परिणाम धीरे-धीरे हमारे सामने आने लगे हैं। विश्व में मानव-सभ्यता को बचाने के साथ-साथ पृथ्वी को बचाने के लिए हमें विज्ञान का पुन: सदुपयोग करना होगा अन्यथा विनाश हमारे सम्मुख खड़ा होगा।

22 पत्र-लेखन

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर—(क) पत्र-लेखन एक कला है, जिसका साहित्य में विशिष्ट स्थान है। दैनिक जीवन में हम सदैव किसी-न-किसी को पत्र लिखते ही रहते हैं। पत्र के माध्यम से ही दूरस्थ व्यक्ति को अपने हृदयगत भावों से अवगत कराते हैं।

(ख) पत्र मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं—1. व्यक्तिगत या घरेलू पत्र 2. व्यावसायिक पत्र 3. सरकारी या आधिकारिक पत्र।

(ग) पत्र के मुख्यत: तीन अंग होते हैं।

आरंभ—यहाँ पर जिसे पत्र भेजना होता है उसका पता, पद लिखते हैं व उसे संबोधित किया जाता है।

विषय—यहाँ पर अपना विषय लिखते हैं।

समापन—यहाँ स्वयं का पता आदि लिखते हैं।

2. निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए—

उत्तर— **(क) कक्षा में चोरी की घटनाओं की सूचना देने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र।**

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
महात्मा गांधी विद्यालय
राँची।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारी कक्षा में विगत कुछ दिनों से चोरी की घटनाएँ हो रही हैं। प्रतिदिन किसी न किसी विद्यार्थी का सामान चोरी हो रहा है। इससे हमारा पठन-पाठन भी प्रभावित हो रहा है। आपसे निवेदन है कि आप हमारी कक्षा में एक सी०सी०टी०वी० कैमरा लगवाएँ और इस समस्या का समाधान कराए।

धन्यवाद!

आपकी आज्ञाकारी शिष्या

महिमा कुमारी
मॉनीटर, 6 'स'

(ग) पिता की ओर से पुत्र को अध्ययन में मन लगाकर परिश्रम करने के लिए पत्र।

507/सी साकेत, दिल्ली
दिनांक : 30 अगस्त 20xx
प्रिय साहिल
आशीर्वाद!

आशा है कि तुम्हारा स्वास्थ्य अच्छा होगा। कुछ दिन पहले तुम्हारा परीक्षा परिणाम देखकर निराशा हुई। मुझे तुम्हारे अध्यापक से ज्ञात हुआ कि तुम आजकल पढ़ाई में मन नहीं लगा रहे हो और इधर-उधर घूमने में समय व्यर्थ करते हो। इससे तुम अपना ही भविष्य अंधकार में डाल रहे हो।

आशा करता हूँ कि तुम अब बुरी आदतों को त्यागकर मन लगाकर पढ़ाई करोगे।

तुम्हारा पिता
व्योमकेश त्रिपाठी।

(छ) नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उनसे अपने मुहल्ले की सफाई कराने का अनुरोध कीजिए।

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम, मेरठ।
महोदय,

हमारी कालोनी में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। सफाई कर्मचारी सप्ताह में कुछ ही दिन आते हैं। लोगों ने मजबूरी के कारण इधर-उधर कूड़ा फेंकना शुरू कर दिया है। इससे चारों तरफ भयंकर बदबू फैल गई है और आवारा पशुओं ने डेरा जमा लिया है। इससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का डर व्याप्त हो गया है।

आपसे अनुरोध है कि आप अतिशीघ्र हमारे मुहल्ले की सफाई-व्यवस्था को सुचारु कराएँ।

सधन्यवाद!
भवदीय
डॉ० मेराज खान
65, साकेत, मेरठ।
दिनांक : 5 जुलाई, 20xx

23 निबंध-लेखन

निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए—

उत्तर— (ख) रक्षाबंधन

भारत को त्योहारों का देश भी कहा जाता है। यहाँ पूरे वर्ष किसी न किसी प्रकार का त्योहार मनाया जाता रहता है। ऐसा ही एक त्योहार है 'रक्षाबंधन'। यह त्योहार हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह सामान्यत: अगस्त या सितंबर के महीने में मनाया जाता है। मान्यता है कि पांडवों की पत्नी द्रौपदी भगवान श्रीकृष्ण को अपना भाई मानती थीं। एक बार भगवान कृष्ण की अंगली में चोट लग गई तो द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी चोट पर बाँध दिया। इससे भगवान कृष्ण अतिप्रभावित हुए और उन्हें सदैव रक्षा करने का वचन दिया। तभी से इस त्योहार को मनाया जाने लगा। इस दिन सभी सुबह-सुबह नहा धोकर नए वस्त्र पहनते हैं। बहनें उचित समय पर पूजा की थाल सजाती हैं और अपने भाईयों को एक सुंदर धागा बाँधती हैं जिसे राखी कहा जाता है। बहनें भाई का तिलक करती हैं और उसका मुँह मीठा कराती है। भाई बहन को उपहार देते हैं और उनकी रक्षा का वचन देते हैं। इस दिन मीठे पकवान बनाए जाते हैं। आजकल लोग इस दिन बाहर घूमने जाते हैं और विशेष खरीदारी करते हैं। यह त्योहार हमें महिलाओं का सम्मान करने और आपस में मिलजुलकर रहने की प्रेरणा देता है।

(ग) आदर्श विद्यार्थी

हम सभी जीवन में आदर्श लोगों से प्रेरणा पाते हैं और उनसे प्रभावित होते हैं। हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग एक विद्यार्थी के रूप में व्यतीत होता है। विद्यार्थी जीवन में यदि हम आदर्श गुणों को अपनाते हैं तो इससे हमारा भावी जीवन सही दिशा में अग्रसर हो जाता है। परंतु; आदर्श विद्यार्थी कौन है? क्या कक्षा में सबसे होशियार विद्यार्थी ही आदर्श विद्यार्थी होता है? नहीं।

एक आदर्श विद्यार्थी से तात्पर्य है ऐसा विद्यार्थी जो विद्यार्थी जीवन के सभी आयामों पर खरा उतरता है। आदर्श विद्यार्थी विद्यालय समय पर पहुँचते हैं, वह कक्षा में व्यर्थ के कार्य नहीं करते। वह मन लगाकर पढ़ाई करते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वे अन्य गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। विद्यालय में वे अन्य विद्यार्थियों से झगड़ा नहीं करते हैं। वे सदैव अपने शिक्षकों का सम्मान करते हैं।

आदर्श विद्यार्थी अपने विद्यालय को स्वच्छ रखते हैं तथा विद्यालय की संपत्ति को नुकसान नहीं पहुँचाते। हम जानते हैं कि आदर्श विद्यार्थी बनना कठिन है; परंतु असंभव नहीं। हमें सदैव ही एक आदर्श विद्यार्थी बनने का प्रयत्न करना चाहिए।

1 भाषा, व्याकरण, बोली तथा लिपि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) भाषा एक ऐसा समर्थ साधन है जिसके द्‌वारा व्यक्ति अपने भावों एवं विचारों को प्रकट कर सकता है तथा दूसरे के विचारों को ग्रहण कर सकता है।

(ख) भाषा के दो रूप होते हैं। भाषा का लिखित रूप अधिक महत्वपूर्ण है।

(ग) व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्‌वारा हम किसी भी भाषा के शुद्‌ध रूप का पूर्णतया ज्ञान प्राप्त करते हैं।

व्याकरण के मुख्यत: तीन अंग या विभाग होते हैं—

(क) **वर्ण-विचार**—व्याकरण के इस अंग के अंतर्गत वर्णों के आकार, उच्चारण, वर्गीकरण तथा उनके संयोग पर विचार किया जाता है।

(ख) **शब्द-विचार**—शब्द-विचार के अंतर्गत शब्दों के भेद, रूप, बनावट आदि पर पूर्णरूप से विचार किया जाता है।

(ग) **वाक्य-विचार**—वाक्य-विचार के अंतर्गत वाक्यों के भेद, उनके संबंध, वाक्य बनाने व विच्छेद करने का तथा विराम-चिह्नों आदि का वर्णन होता है।

(घ) भाषा को शुद्‌ध रूप से जानने के लिए व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक है। अत: भाषा के स्थायी रूप को निश्चित करने के लिए नियमबद्‌ध योजना की आवश्यकता को ही व्याकरण कहते हैं। व्याकरण से भाषा में एकरूपता आ जाती है। भाषा में व्याकरण का प्रयोग करने से भाषा का शुद्‌धीकरण एवं स्पष्टीकरण होता है।

(ङ) सामान्यत: व्यवहार में बोली शब्द का प्रयोग भाषा के अर्थ में किया जाता है, किंतु दोनों में पर्याप्त अंतर है। बोली देश के किसी सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा होती है। इसका प्रयोग केवल बोलने तक ही सीमित रहता है क्योंकि इसकी लिपि नहीं होने के कारण इसका लिखित रूप नहीं होता। जैसे—हरियाणवी, भोजपुरी, गढ़वाली, कुमाऊँनी आदि।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) हम अपने भावों तथा विचारों को **भाषा** के द्‌वारा एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं।

(ख) भारत की राजभाषा **हिंदी** है।

(ग) हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है।

(घ) शुद्‌ध भाषा का ज्ञान **व्याकरण** की सहायता से प्राप्त किया जाता है।

(ङ) भाषा शब्द **'भाष'** धातु से बना है, जिसका अर्थ है **बोलना या ध्वनि समूह को व्यक्त करना**।

3. बोली तथा उपभाषा में क्या अंतर है?

उत्तर— बोली का ही विकसित रूप उपभाषा होती है। बोली में प्राय: साहित्य उपलब्ध नहीं होता। परंतु उपभाषा में साहितय उपलब्ध होता है और इसका क्षेत्र बोली से विस्तृत होता है।

4. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

2 वर्ण-विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) मुख से उच्चरित प्रत्येक ध्वनि के लिखित रूप को वर्ण कहते हैं, जिसके और खंड नहीं किए जा सकते।

(ख) **हलंत**—इसका चिह्न (्) है। इसका प्रयोग व्यंजन वर्णों के नीचे किया जाता है। यदि किसी व्यंजन में स्वर न मिला हो तो उसके नीचे हलंत का चिह्न लगाकर स्पष्ट किया जाता है; जैसे—ड्, द्, र्, फ्, ह्।

(ग) जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जिह्वा मुख के विभिन्न स्थानों को स्पर्श करती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहा जाता है। 'क' से 'म' तक व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।

2. कोष्ठक में से उचित शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) **स्वर** वर्ण के उच्चारण में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है।

(ख) जिन स्वरों के उच्चारण में अधिक समय लगता है, वे **दीर्घ** स्वर कहलाते हैं।

(ग) **किसान** खेतों में हल चलाता है।

(घ) सेठ दीवान चंद **कृपण** हैं।

(ङ) सामने से दाएँ **मुड़** जाइए।

(च) स्वर का जो चिह्न व्यंजन के साथ लगता है, उसे **मात्रा** कहते हैं।

(छ) त, द, प, ब **अल्पप्राण** व्यंजन हैं।

(ज) दर्पण शब्द में लगने वाले 'र्' को **रेफ** कहते हैं।

3. 'हाँ' अथवा 'नहीं' में उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) हाँ (ख) हाँ (ग) नहीं (घ) हाँ

4. निम्नलिखित के दो-दो उदाहरण लिखिए—

उत्तर—

(क) दीर्घ स्वर	**काम (आ)**	**कमाई (ई)**
(ख) ऊष्म व्यंजन	**शलजम (श)**	**सपेरा (स)**
(ग) अयोगवाह	**बंदर (अनुस्वार)**	**पुनः (विसर्ग)**

(घ) स्पर्श व्यंजन **कबूतर (क)** **पपीता (प)**

5. **निम्नलिखित शब्दों में आई ध्वनियाँ लिखिए—**

उत्तर— (क) गांधी **ग् + आ + न् + ध् + ई**

(ख) चंद्रशेखर **च् + अ + न् + द् + अ + र् + श् + ए + ख् + अ + र् + अ**

(ग) अल्फ्रेड पार्क **अ + ल् + फ् + अ + र् + ए + ड् + अ + प् + आ + र् + क् + अ**

(घ) स्वतंत्रता **स् + व् + अ + त् + अ + त् + त् + र् + अ + त् + आ**

(ङ) परीक्षा **प् + अ + र + ई + क् + ष + आ**

(च) पुस्तकालय **प् + उ + स् + त् + अ + क् + आ + ल् + अ + य् + अ**

6. **निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए—**

उत्तर— डमरू = **डमरु** गँगा = **गंगा** ढ़ोलक = **ढोलक**

उँट = **ऊँट** पेड = **पेड़** चीन्ह = **चिन्ह**

पृथवी = **पृथ्वी** पान्च = **पाँच** पूंछ = **पुच्छ**

हाथि = **हाथी** ब्रम्हा = **ब्रह्मा** प्रातह = **प्रातः**

धरमात्मा = **धर्मात्मा** रिशि = **ऋषि**

3 शब्द-विचार

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) वर्णों का वह समूह जिसका कोई अर्थ होता है, शब्द कहलाता है।

(ख) शब्द-भेद के चार आधार हैं।

(ग) **(i)** **तत्सम शब्द**—संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी में बिना किसी परिवर्तन के प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं; जैसे—अग्नि, रात्रि, अश्रु, हस्त, हस्ति।

(ii) **तद्भव शब्द**—वे शब्द जो संस्कृत भाषा के शब्दों का रूप बदलकर बनते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं। जैसे— आग, रात, आँसू, हाथ, हाथी।

(घ) **(i)** **विकारी**—जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक का प्रभाव पड़ता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं।

ये चार प्रकार के होते हैं—(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया

(ii) **अविकारी शब्द**—जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक का कोई प्रभाव न पड़े, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।

अविकारी शब्द भी चार प्रकार के होते हैं—(क) क्रियाविशेषण (ख) संबंधबोधक (ग) समुच्चयबोधक (घ) विस्मयादिबोधक

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) माँग-पत्र’ शब्द एक **यौगिक** शब्द है।

(ख) ‘उलूक’ का तद्भव रूप **उल्लू** है।

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों को **पाँच** भागों में बाँटा गया है।

(घ) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को **शब्द** कहा जाता है।

(ङ) अर्थ के आधार पर शब्दों को **चार** भागों में बाँटा जाता है।

3. ‘सत्य’ अथवा ‘असत्य’ लिखिए—

उत्तर— (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य

(घ) असत्य (ङ) सत्य (च) सत्य

4. निम्नलिखित के तद्भव रूप लिखिए—

उत्तर— (क) मयूर **मोर** (ख) कूप **कुँआ** (ग) स्वर्ण **सोना**

(घ) पत्र **पत्ता** (ङ) दुग्ध **दूध** (च) उष्ट्र **ऊँट**

5. निम्नलिखित के तीन-तीन उदाहरण लिखिए—

उत्तर—

(क) रूढ़ शब्द	**मत**	**चल**	**कर**
(ख) यौगिक शब्द	**आरामघर**	**अतिथिकक्ष**	**स्नानघर**
(ग) योगरूढ़ शब्द	**मृगनयन**	**चौपाया**	**मकराक्ष**
(घ) देशज शब्द	**लोटा**	**झौटा**	**खाट**

6. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) देवताओं को तपोभूमि में **राक्षसों** का क्या काम?

(ख) जिसने **अमृत** का स्वाद चख लिया वह विष क्यों पीएगा?

(ग) महानगरों में फूलों की सुगंध पर धुएँ की **दुर्गंध** भी होती है।

(घ) सूर्योदय के उजाले से रात्रि का **अंधकार** चला जाएगा।

(ङ) अब नेता प्रशंसा योग्य नहीं रहे क्योंकि वे एक-दूसरे को **अपमानित** करते हैं।

4 संधि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) दो वर्णों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे संधि कहते हैं।

(ख) संधि के तीन भेद होते हैं—1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि।

(ग) **स्वर संधि**—स्वरों के आपस में मिलने से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

(घ) **व्यंजन संधि**—व्यंजन का व्यंजन अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं। उदाहरण— क् + द = ग्

— वाक् + दान = वाग्दान।

(ङ) **विसर्ग संधि**—विसर्ग का किसी स्वर या व्यंजन से मेल होने पर विसर्ग में उत्पन्न होने वाले विकार को विसर्ग संधि कहते हैं। उदाहरण—

मनः + बल = मनोबल
सरः + ज = सरोज
पयः + द = पयोद

2. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए तथा भेद बताइए—

उत्तर— (क) सु + अच्छ **स्वच्छ** **यण् संधि**
(ख) महा + उदय **महोदय** **गुण संधि**
(ग) सूर्य + उदय **सूर्योदय** **गुण संधि**
(घ) धर्म + आत्मा **धर्मात्मा** **दीर्घ संधि**
(ङ) पुस्तक + आलय **पुस्तकालय** **दीर्घ संधि**
(च) जगत् + ईश्वर **जगदीश्वर** **व्यंजन संधि**

3. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तर— (क) संसार **सम् + सार** (ख) नीरोग **निः + रोग**
(ग) महर्षि **महा + ऋषि** (घ) भारतेंदु **भारत + इन्दु**
(ङ) उज्ज्वल **उत् + ज्वल** (च) सज्जन **सत् + जन**

5 उपसर्ग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) वे शब्दांश जो किसी शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं। जैसे—अधिकार तथा अधिनायक शब्द में 'अधि' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

(ख) उपसर्ग चार प्रकार के होते हैं—1. संस्कृत के उपसर्ग 2. हिंदी के उपसर्ग 3. उर्दू के उपसर्ग 4. संस्कृत के अव्यय।

(ग) संस्कृत के उपसर्गों के पाँच शब्द इस प्रकार है—अमान्य, अनंत, अत्यधिक, पर्यावरण, अपयश।

2. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करके लिखिए—

उत्तर— (क) प्रबंध **प्र + बंध** (ख) सम्मान **सम् + मान**
(ग) भरमार **भर + मार** (घ) अत्याचार **अति + आचार**
(ङ) निवास **नि + वास** (च) अभिनव **अभि + नव**

3. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग लगाकर दो-दो नए शब्द बनाइए—

उत्तर—	(क)	मान	**अभिमान**	**विमान**	(ख)	जय	**विजय**	**दुर्जय**
	(ग)	गुण	**अवगुण**	**निर्गुण**	(घ)	कार	**बेकार**	**साकार**
	(ङ)	जान	**बेजान**	**सुजान**	(च)	फल	**सुफल**	**विफल**

4. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए—

उत्तर—	(क)	अभि	**अभिनव**	**अभिराम**
	(ख)	अनु	**अनुचर**	**अनुगामी**
	(ग)	प्रति	**प्रतिदिन**	**प्रतिक्षण**
	(घ)	गैर	**गैर मर्द**	**गैर मुल्क**
	(ङ)	कु	**कुमार्ग**	**कुरूप**

5. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (iii) 'स्व' उपसर्ग का (ख) (ii) 'अव' उपसर्ग का

(ग) (ii) 'प्रति' उपसर्ग का (घ) (iv) चार वर्गों में

6 प्रत्यय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) शब्दों के अंत में जुड़कर अर्थ में विशेषता अथवा परिवर्तन लाने वाले शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं।

(ख) प्रत्यय के दो भेद होते हैं—1. कृत् प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय।

(ग) **कृत् प्रत्यय**—क्रिया के धातु रूप के अंत में लगने वाले प्रत्ययों को कृत् प्रत्यय कहते हैं। कृत् प्रत्ययों के योग से बने शब्दों को कृदंत (कृत् + अंत) कहते हैं।

हिंदी में प्रयोग किए जाने वाले कृत् प्रत्ययों के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं—

कृत् प्रत्यय	**धातु**	**भाववाचक संज्ञाएँ**
आवा	बोल, देख	बुलावा, दिखावा
आवत	कह	कहावत

2. निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए—

उत्तर—	(क)	ईय	**भारतीय**	**सम्मानीय**	(ख)	हरा	**बहरा**	**सहरा**
	(ग)	नी	**चटनी**	**सूँघनी**	(घ)	वान	**धैर्यवान**	**दयावान**
	(ङ)	आऊ	**कमाऊ**	**बिकाऊ**				

3. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए—

उत्तर— (क) चिकनाहट — **चिकना** + **आहट**

(ख) बिछौना — **बिछ** + **औना**

(ग) सुरीला — **सुर** + **ईला**
(घ) घराना — **घर** + **आना**
(ङ) स्वर्गीय — **स्वर्ग** + **ईय**
(च) मार्मिक — **मर्म** + **इक**
(छ) श्रीमती — **श्री** + **मती**
(ज) आदरणीय — **आदरण** + **ईय**

4. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (ii) दो
(ख) (iii) अक्कड़
(ग) (ii) लाल + इमा

7 समास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक पदों के मेल से नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।

(ख) समास छह प्रकार के होते हैं।

(ग) संधि तथा समास में पर्याप्त विभिन्नता है। आपसी मेल के कारण वर्णों के स्वरूप में जहाँ परिवर्तन होता है, वहाँ संधि होती है। उदाहरणार्थ—सत् + मार्ग = सन्मार्ग में 'त्' का 'म' से मेल होने पर 'न्' बन गया; अत: यहाँ संधि है। परंतु समास में वर्णों का मेल नहीं होता हे। वहाँ दो या दो से अधिक पदों के मेल से नया शब्द बनता है। उदाहरणार्थ—नीला हे जो गगन = नीलगगन। यहाँ पर 'नीला है जो गगन' के सारे पद मिलकर एक शब्द बना देते हैं, अत: यहाँ समास है।

(घ) समस्तपद जिन शब्दों से बनता है, वे शब्द उसके खंड कहलाते हैं। जब हम समस्तपद के खंड करके उनको फिर से अलग-अलग दिखाते हैं, तो इस प्रक्रिया को समास-विग्रह कहते हैं।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) **कर्मधारय** समास में दूसरा पद प्रधान होता है।

(ख) द्विगु समास में **पूर्व** पद संख्यावाची होता है।

(ग) अव्ययीभाव समास में **पहला** पद अव्यय होता है।

(घ) तत्पुरुष समास में दोनों शब्दों के मध्य आने वाले **कारक चिह्नों** का लोप हो जाता है।

(ङ) **द्वंद्व** समास का विग्रह करने पर 'और', 'तथा' 'एवं', 'व' आदि लग जाते हैं।

3. निम्नलिखित समस्तपद का समास के अनुसार विग्रह कीजिए—

उत्तर—

(क)	नीलकंठ कर्मधारय	**नीला कंठ**
	बहुव्रीहि	**नीला है कंठ जिसका (शिव)**
(ख)	त्रिलोचन द्विगु	**तीन आँखों का समूह**
	बहुव्रीहि	**तीन हैं आँखें जिकसी (शिव)**
(ग)	दशानन द्विगु	**दस आनन (सिर) का समूह**
	बहुव्रीहि	**दस हैं आनन (सिर) जिसके (रावण)**
(घ)	पीतांबर कर्मधारय	**पीला कपड़ा**
	बहुव्रीहि	**पीले कपड़े वाला अर्थात् कृष्ण**

4. निम्नलिखित समस्तपदों का मिलान दाईं ओर दिए गए समासों से कीजिए—

उत्तर—

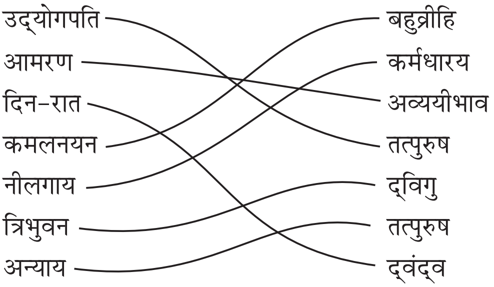

उद्योगपति	बहुव्रीहि
आमरण	कर्मधारय
दिन-रात	अव्ययीभाव
कमलनयन	तत्पुरुष
नीलगाय	द्विगु
त्रिभुवन	तत्पुरुष
अन्याय	द्वंद्व

5. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य।

6. निम्नलिखित विग्रह से समस्तपद बनाइए और समास का नाम लिखिए—

उत्तर—

(क)	काली है मिर्च	**काली मिर्च**	**कर्मधारय समास**
(ख)	दूध और दही	**दूध-दही**	**द्वंद्व समास**
(ग)	चार हैं मुख जिसके	**चतुरानन**	**बहुव्रीहि समास**
(घ)	मद में अंधा	**मदांध**	**तत्पुरुष समास**
(ङ)	रात ही रात में	**रातोंरात**	**अव्ययीभाव समास**

7. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए—

उत्तर—

(क)	यथाशक्ति	**शक्ति के अनुसार**	**अव्ययीभाव समास**
(ख)	मृगनयनी	**मृग के समान नयन**	**कर्मधारय समास**
(ग)	तुलसीकृत	**तुलसी द्वारा कृत**	**तत्पुरुष समास**
(घ)	महाराजा	**महान है जो राजा**	**कर्मधारय समास**
(ङ)	हृदयहीन	**हृदय से विहीन**	**तत्पुरुष समास**

8. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (ii) कमलनयन (ख) (iii) माता-पिता
(ग) (ii) ध्यानमग्न (घ) (i) भरपेट
(ङ) (iv) पंजाब (च) (i) मृगनयनी

8 शब्द-भंडार

पर्यायवाची

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) समान अर्थ प्रकट करनेवाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
(ख) पर्यायवाची शब्द को समानार्थी शब्द भी कहते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए—

उत्तर—

(क)	दिन	**दिवस,**	**वार,**	**वासर**
(ख)	गंगा	**भागीरथी,**	**देवनदी,**	**सुरसरिता**
(ग)	आनंद	**खुशी,**	**प्रसन्नता,**	**प्रफुल्लता**
(घ)	अग्नि	**आग,**	**पावक,**	**ज्वाला**
(ङ)	मेघ	**बादल,**	**गगन,**	**जलधर**
(च)	मित्र	**दोस्त,**	**सखा,**	**संगी**
(छ)	अंबा	**माता,**	**माँ,**	**जननी**
(ज)	सोना	**स्वर्ण,**	**कनक,**	**कंचन**

विलोम शब्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) एक-दूसरे का विपरीत अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
(ख) सुख — **दुःख**
वाक्य — गरीब लोग हमेशा **दुःखी** रहते हैं।
लाभ — **हानि**
वाक्य — व्यापारी को व्यापार में बड़ी **हानि** हुई।
प्राचीन — **नवीन**
वाक्य — किसान खेती में **नवीन** प्रयोग कर रहे हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

उत्तर—

	शब्द	**विलोम**		**शब्द**	**विलोम**
(क)	आप	**मैं**	(ख)	आदि	**अंत**

(ग)	हर्ष	**विषाद**	(घ)	कठोर	**कोमल**
(ङ)	अनुज	**अग्रज**	(च)	चतुर	**मूर्ख**
(छ)	स्वदेश	**परदेश**	(ज)	घृणा	**प्रेम**

अनेकार्थक शब्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) कुछ शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं; उन्हें अनेकार्थक शब्द कहते हैं। बल (सेना)—भारतीय सैन्य बलों ने कश्मीर में अपनी तैनाती बढ़ा दी है।

(ख) बल (शक्ति)—अनुशासन से व्यक्ति को आत्मबल प्राप्त होता है।

2. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के विभिन्न अर्थ लिखिए—

उत्तर—

(क)	अमृत	**दूध**	**सुधा**	**जल**
(ख)	अंक	**निशान**	**अध्याय**	**गोद**
(ग)	कर	**हाथ**	**किरण**	**टैक्स**
(घ)	पट	**द्वार**	**कपड़ा**	**परदा**
(ङ)	फल	**परिणाम**	**लाभ**	**मेवा**

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग भाषा में संक्षिप्तता लाने के लिए किया जाता हे। इससे भाषा का प्रभाव बढ़ जाता है।

(ख) क्षणिक।

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर लिखिए—

उत्तर—

(क)	जो चित्र बनाता हो	**चित्रकार**
(ख)	नीचे लिखा हुआ	**निम्नलिखित**
(ग)	नगर में रहने वाला	**नागरिक**
(घ)	अच्छा आचरण वाला	**सदाचारी**
(ङ)	ईश्वर को मानने वाला	**आस्तिक**
(च)	जो कभी बूढ़ा न हो	**अजर**

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

1. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द से क्या आशय है? लिखिए।

उत्तर— हिंदी भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं, जो सुनने में एक समान होते हैं, परंतु उनके अर्थ भिन्न होते हैं ऐसे शब्द समरूपी भिन्नार्थक या श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे—ग्रह (नक्षत्र), गृह (घर)।

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) बृहस्पति एक बड़ा **ग्रह** है।

(ख) मेरा घर नदी के इस **ओर** है।

(ग) प्रार्थना सभा में सभी विद्यार्थी **क्रम** में खड़े हैं।

(घ) किसान खेतों में **अन्न** उगाता है।

(ङ) चाँदनी रात में समुद्र की **तरंग** ऊँची उठती है।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ स्पष्ट करने के लिए इन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तर— (क) शस्त्र — भारतीय सेना परमाणु-**शस्त्र** से सुसज्जित है।
शास्त्र — भगवद्गीता एक प्रमुख **शास्त्र** है।

(ख) वसन — रीमा ने लाल **वसन** पहन रखे थे।
व्यसन — नरेश को कई **व्यसन** हैं।

एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) ऐसे शब्द जो प्रायः मिलते-जुलते अर्थ वाले होते हैं, परंतु उनके अर्थ में थोड़ा-सा अंतर अवश्य होता है, उन्हें एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द कहते हैं।

(ख) अपराध (कानून का उल्लंघन)—समय पर आयकर न जमा करना एक अपराध है।

पाप (नैतिक एवं धार्मिक नियम तोड़ना)—किसी भी प्राणी की हत्या करना पाप है।

2. वाक्यों में प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शब्दों के अर्थ-भेद स्पष्ट कीजिए—

उत्तर— (क) अमूल्य — पानी जीवन की **अमूल्य** आवश्यकता है।
बहुमूल्य — वैजयंती ने **बहुमूल्य** साड़ी खरीदी।

(ख) श्रम — नेहा भट्ठे पर **श्रम** करती है।
परिश्रम — विकास ने **परिश्रम** से सफलता प्राप्त की।

(ग) समीर — नैनीताल में ठंड है। वहाँ **समीर** बहती है।
पवन — तूफान में **पवन** बहुत तेज होती है।

(घ) ग्रंथ — गुरु**ग्रंथ** सिक्ख धर्म का प्रमुख ग्रंथ है।
पुस्तक — मेरी हिंदी की **पुस्तक** खो गई है।

9 संज्ञा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु अथवा भाव का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा

कहते हैं। जैसे—राम अयोध्या के राजा थे। यहाँ राम, राजा तथा अयोध्या संज्ञा शब्द है।

(ख) **जातिवाचक संज्ञा**—जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु अथवा स्थान की पूरी जाति का बोध कराते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

(ग) **भाववाचक संज्ञा**—जिन शब्दों से वस्तुओं, स्थानों व प्राणियों आदि के गुण-दोष, अवस्था, भाव का ज्ञान होता है, वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे—ईमानदारी सबसे बड़ा गुण है। बचपन में सब शरारती थे।

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) साहस **सफलता** की कुंजी है।

(ख) **कक्षा** में मैं प्रथम आया हूँ।

(ग) वे उसकी **लिखावट** देखकर चकित हो गए।

(घ) सच ही कहा है **एकता** में बड़ी शक्ति होती है।

(ङ) नदी का **जल** बहुत तेज था।

3. निम्नलिखित शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए—

उत्तर— (क)	व्यक्तिवाचक	—	**ताजमहल**	**महात्मा गांधी**	**नितिन**
			शंकराचार्य	**डॉ० राजेंद्र प्रसाद**	
(ख)	जातिवाचक	—	**जातिवाचक**	**गाय**	**बर्तन**
			नदी	**पर्वत**	**स्त्री**
(ग)	भाववाचक	—	**लड़कपन**	**सुंदरता**	**मित्रता**
			मिठास, बुढ़ापा	**वीरता**	**विजय**

4. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए—

उत्तर— (क)	नौकर	**नौकरी**	(ख)	बच्चा	**बचपन**
(ग)	पशु	**पशुता**	(घ)	मीठा	**मिठास**
(ङ)	पढ़ना	**पढ़ाई**	(च)	माता	**ममता**
(छ)	भक्त	**भक्ति**	(ज)	मित्र	**मित्रता**

10 लिंग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) शब्द के जिस रूप से यह पता चलता है कि वह पुरुष जाति का है अथवा स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) लिंग के दो भेद होते हैं—पुल्लिग तथा स्त्रीलिंग।

(ग) **स्त्रीलिंग**—जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे—अध्यापिका, लड़की, चाची, दादी, स्त्री आदि।

2. रंगीन शब्दों का लिंग परिवर्तन करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) कक्षा में छात्र और **छात्रा** पढ़ रहे हैं।

(ख) उसके पास एक गाय और एक **बैल** है।

(ग) नारी को **नर** के समान अधिकार मिलना चाहिए।

(घ) हमारे देश में अनेक विद्वान हैं तो अनेक **विदुषी** भी हैं।

(ङ) प्रेमचंद लेखक हैं और महादेवी वर्मा **लेखिका**।

3. नित्य पुल्लिग रहने वाले छह शब्द लिखिए—

उत्तर—

मच्छर	उल्लू	चीता
तोता	कछुआ	भेड़िया

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग निर्धारित कीजिए—

उत्तर—

(क)	वर	**पुल्लिग**	(ख)	पंडित	**पुल्लिग**
(ग)	कवयित्री	**स्त्रीलिंग**	(घ)	माली	**पुल्लिग**
(ङ)	वक्ता	**पुल्लिग**	(च)	बगिया	**स्त्रीलिंग**

5. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए—

उत्तर—

(क)	कोयल	**नर कोयल**	(ख)	बूढ़ा	**बुढ़िया**
(ग)	लेखिका	**लेखक**	(घ)	लुटिया	**लोटा**
(ङ)	नायिका	**नायक**	(च)	स्वामी	**स्वामिनी**
(छ)	भक्त	**भक्तिन**	(ज)	पुजारिन	**पुजारी**

6. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (iii) मच्छर (ख) (i) भेड़

(ग) (i) कौआ (घ) (ii) पुल्लिग

11 वचन

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जिस शब्द से एक या अधिक संख्या का बोध हो उसे वचन कहते हैं।

(ख) **एकवचन**—जिस शब्द से किसी एक वस्तु, पदार्थ, व्यक्ति आदि का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे—पुस्तक, लड़की, चूहा, पुस्तक आदि।

बहुवचन—जिस शब्द से एक से अधिक वस्तुओं, पदार्थों, व्यक्तियों आदि का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे—पुस्तकें, लड़कियाँ, चूहे आदि।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) वचन के **दो** भेद होते हैं।

(ख) 'वर्षा' शब्द सदैव **एकवचन** में प्रयोग किया जाता है।

(ग) 'आँसू', 'दर्शन' शब्द सदैव **बहुवचन** में प्रयोग किए जाते हैं।

(घ) चिड़िया का बहुवचन शब्द **चिड़ियाँ** है।

3. रंगीन शब्दों का वचन बदलकर वाक्यों को पुन: लिखिए—

उत्तर— (क) छात्र पढ़ रहे हैं। (ख) गमला में पानी दो।

(ग) विद्यार्थी शांत बैठा है। (घ) हमारी अध्यापिका अच्छा पढ़ाती है।

4. निम्नलिखित शब्दों के वचन लिखिए—

उत्तर—

(क)	वस्तुएँ	**बहुवचन**	(ख)	पुस्तकें	**बहुवचन**
(ग)	कविता	**एकवचन**	(घ)	कौआ	**एकवचन**
(ङ)	दवाइयाँ	**बहुवचन**	(च)	शाखा	**एकवचन**

5. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए—

उत्तर—

(क)	नदी	**नदियाँ**	(ख)	माता	**माताएँ**
(ग)	बेटा	**बेटें**	(घ)	योजना	**योजनाएँ**
(ङ)	गुड़िया	**गुड़ियाँ**	(च)	साड़ी	**साड़ियाँ**

12 कारक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

(ख) कारक के आठ भेद होते हैं।

(ग) **कर्ता कारक**—संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से कार्य करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं।

उदाहरण—नेहा ने पत्र लिखा। रवि खेल रहा है।

इन वाक्यों में बताइए कि 'लिखने' और 'खेलने' का कार्य (क्रिया) करने वाले कौन-कौन हैं? इन दोनों वाक्यों में क्रिया करने वाले 'नेहा' और 'रवि' हैं। अत: ये कर्ता कारक हैं।

(घ) **अधिकरण कारक**—संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक-चिह्नों से कीजिए—

उत्तर— (क) कंस मथुरा **का** राजा था।

(ख) शिष्य **को** अपने गुरु **की** आज्ञा माननी चाहिए।

(ग) चित्रकार पेंसिल **से** चित्र बनाते हैं।

(घ) मेज **पर** पुस्तक रख दो।

(ङ) परीक्षार्थी परीक्षा उत्तीर्ण करके अगली कक्षा **में** जाएगा।

3. निम्नलिखित कारक-चिह्नों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तर— (क) को — रमेश **को** आज दिल्ली जाना है।

(ख) अरे — **अरे!** वहाँ मत खेलो।

(ग) से — सीता राम **से** प्रेम करती हैं।

(घ) के लिए — विद्यार्थियों **के लिए** गुरु पूज्नीय होते हैं।

(ङ) पर — बंदर छत **पर** बैठा है।

(च) की — सोनम **की** कल शादी होगी।

4. निम्नलिखित वाक्यों में उचित परसर्ग लगाकर पुनः सार्थक वाक्य लिखिए—

उत्तर— (क) राम ने रमन से पुस्तक ली। (ख) भिखारी को रोटी दे दो।

(ग) बाग में फूल खिल रहे हैं। (घ) गरीबों को दान देना पुण्य होता है।

(ङ) शिवानी छत पर खेल रही है।

5. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के कारक भेद बताइए—

उत्तर— (क) कर्म कारक (ख) अधिकरण कारक

(ग) अधिकरण कारक (घ) संप्रदान कारक

(ङ) संबोधन कारक (च) अधिकरण कारक

(छ) अपादान कारक (ज) करण कारक

6. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के कारक के भेद के उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) कर्ता कारक **(✓)** (ख) संबंध कारक **(✓)**

(ग) करण कारक **(✓)** (घ) अपादान कारक **(✓)**

(ङ) अपादान कारक **(✓)** (च) संबोधन कारक **(✓)**

13 सर्वनाम

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

(ख) सर्वनाम के छह भेद होते है।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं।

(घ) **निजवाचक सर्वनाम**—जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता के निजत्व (अपनेपन) के लिए होता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—मैं स्वयं विद्यालय चला जाऊँगा। वह अपने आप खाना बना लेगी।

उपर्युक्त वाक्यों में 'खुद' और 'स्वयं' शब्द निजवाचक सर्वनाम हैं।

(ङ) **प्रश्नवाचक सर्वनाम**—जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

2. कोष्ठक में दिए सर्वनाम के उचित रूप द्वारा वाक्यों को पूर्ण कीजिए—

उत्तर— (क) महात्मा गांधी बहुत लोकप्रिय नेता थे। नेताओं की भीड़ तो **उन्हें** घेरे ही रहती थी।

(ख) जब तक **हमारे** शरीर में जान है, **हमें** झूठ बोलने की क्या जरूरत है।

(ग) **जैसे** अवसर मिला वह गद्दी पर चढ़ बैठा।

(घ) **किसी** में सत्य बोलने का साहस नहीं है।

3. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य

(घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को छाँटकर सामने लिखिए—

उत्तर— (क) क्या (ख) जैसी, वैसी (ग) मैं, खुद

(घ) हमें (ङ) वह

5. निम्नलिखित शब्दों तथा नामों के उपयुक्त जोड़े बनाइए—

उत्तर—

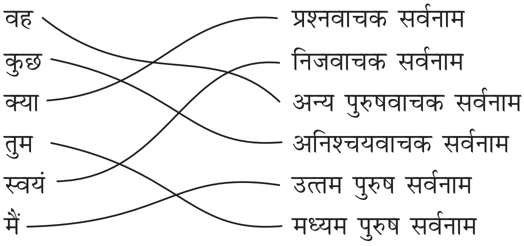
वह
कुछ
क्या
तुम
स्वयं
मैं
प्रश्नवाचक सर्वनाम
निजवाचक सर्वनाम
अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
अनिश्चयवाचक सर्वनाम
उत्तम पुरुष सर्वनाम
मध्यम पुरुष सर्वनाम

6. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित शब्दों में सर्वनाम का कौन-सा भेद है? सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए—

उत्तर— (क) निजवाचक सर्वनाम

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम

(ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(ङ) पुरुषवाचक सर्वनाम

14 विशेषण

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

(ख) **विशेष्य**—जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

(ग) विशेषण चार प्रकार के होते हैं।

(घ) **गुणवाचक विशेषण**—जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, दशा, अवस्था, रंग, आकार आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

(ङ) संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं?

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) **प्राचीन** इमारतें पुरानी समृद्धि का प्रतीक हैं।

(ख) आकाश में **असंख्य** पतंग उड़ रही हैं।

(ग) **बहुत तेज** वर्षा हो रही है।

(घ) इस सेब का स्वाद बहुत **मीठा** है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर उनके भेद लिखिए—

उत्तर—

	विशेषण	**भेद**
(क)	कुछ	परिमाणवाचक विशेषण
(ख)	यह	सार्वनामिक विशेषण
(ग)	दो	संख्यावाचक विशेषण
(घ)	पवित्र	गुणवाचक विशेषण

4. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेष्य व विशेषण छाँटकर लिखिए—

उत्तर—

	विशेष्य	**विशेषण**
(क)	बाल	लंबे
(ख)	अंकुर	ईमानदार
(ग)	लोग	कुछ
(घ)	गाय	उपयोगी
(ङ)	दर्शक	तीस

5. रंगीन विशेषण का प्रकार बताइए—

उत्तर— (क) (ii) सार्वनामिक (ख) (iii) परिमाणवाचक

(ग) (i) परिमाणवाचक (घ) (ii) सार्वनामिक

15 क्रिया

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) वे शब्द जिनसे किसी कार्य के करने अथवा होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।

(ख) कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं तथा रचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद होते हैं।

(ग) **धातु**—क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं; जैसे—देख, लिख, खा, पी आदि।

(घ) रचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद होते हैं।

(ङ) **नामधातु क्रिया**—संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण शब्दों से बनी क्रियाएँ नामधातु क्रिया कहलाती हैं; जैसे—रवि मित्रों से बतियाने लगा।

2. दी गई उचित क्रियाओं द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) सुधा और शांति बाजार **जाएँगी**। (ख) गौरव ऊँचा **सुनता** है।

(ग) डॉक्टर ने रोगी को इंजेक्शन **लगाया**। (घ) जरा मनोहर को **बुला** दीजिए।

(ङ) रमेश ने कॉपी में **लिखा**।

3. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) सत्य (ख) सत्य

(ग) असत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित वाक्यों में रचना के आधार पर क्रिया के भेद बताइए—

उत्तर— (क) प्रेरणार्थक क्रिया (ख) पूर्वकालिक क्रिया

(ग) नामधातु क्रिया (घ) संयुक्त क्रिया

5. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाएँ अकर्मक हैं या सकर्मक, लिखिए—

उत्तर— (क) सकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया

(ग) अकर्मक क्रिया (घ) सकर्मक क्रिया

6. निम्नलिखित शब्दों के उपयुक्त नामधातु रूप पर (✓) लगाइए—

उत्तर—

अपना	—	अपनाकर	अपनाना (✓)	अपनत्व	अपनाएगा
बात	—	बतलाकर	बतलाना (✓)	बतौर	बातूनी
चक्कर	—	चकराकर	चकराना (✓)	चक्की	चाकरी

7. निम्नलिखित धातुओं से उपयुक्त प्रेरणार्थक क्रिया रूप पर (✓) लगाइए—

उत्तर—

पी	—	पिलाना (✓)	पीना	पीलाना	पीकर
खा	—	खाना	खिलाना (✓)	खाकर	खाया
जा	—	जाना	गया (✓)	भेजना	जाकर

16 काल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का पता चले, उसे काल कहते हैं।

(ख) **भविष्यत् काल**—क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में क्रिया के करने या होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। इसमें क्रिया का अंत 'गा', 'गी', 'गे' आदि से होता है; जैसे—हम सब इनाम जीतेंगे। हम प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

(ग) वर्तमान काल के तीन भेद होते हैं।

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) बच्चा रो **रहा है**।

(ख) अधिकांश पक्षी आकाश में **उड़ते हैं**।

(ग) मेरे दादा जी मसूरी **गए**।

(घ) गौतम को प्रथम पुरस्कार **मिला**।

(ङ) तुम बैठो, मैं अभी **आया**।

3. निम्नलिखित वाक्यों के काल पर (✓) लगाइए—

उत्तर—

	वर्तमान	**भूत**	**भविष्यत**
(क) वह अभी दौड़ रहा होगा।	(✓)	–	–
(ख) वह आज दौड़ेगा।	–	–	(✓)
(ग) उसने गलती की होगी।	–	(✓)	–
(घ) वर्षा निरंतर हो रही है।	(✓)	–	–
(ङ) बच्चे खेलने गए थे।	–	(✓)	–
(च) मैं तुम्हें पढ़ता मिलूँगा।	–	–	(✓)

4. निम्नलिखित वाक्यों के भेद पर (✓) लगाइए—

उत्तर— (क) आसन्न भूत **(✓)** (ख) संदिग्ध वर्तमान **(✓)** (ग) पूर्ण भूत **(✓)**

(घ) अपूर्ण वर्तमान **(✓)** (ङ) संभाव्य भविष्यत् **(✓)**

5. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए संकेत के अनुसार बदलिए—

उत्तर— (क) विकास इलाहाबाद जा रहा है।

(ख) शिवानी इतिहास पढ़ेगी।

(ग) प्रभात कहानी लिखता था।

(घ) हम यहाँ आ रहे हैं।

(ङ) पिताजी शायद छत पर होंगे।

17 अव्यय शब्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) 'अव्यय' का अर्थ है—जिसका व्यय न हो अर्थात् जिसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न हो। इस दृष्टि से अव्यय वे शब्द हैं जो लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण परिवर्तित नहीं होते।

(ख) **क्रियाविशेषण**—जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषणकहते हैं; जैसे—

कम खाया करो। बच्चे अंदर सो रहे हैं। आकाश वहाँ पढ़ता है।

(ग) क्रियाविशेषण के चार भेद होते हैं—

1. स्थानवाचक क्रियाविशेषण; उदाहरण—आप वहाँ बैठ जाइए।
2. कालवाचक क्रियाविशेषण; उदाहरण—राम सुबह यहाँ आया था।
3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण; उदाहराण—बबीता जल्दी-जल्दी खाना बना रही है।
4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण; उदाहरण—आज उसने थोड़ा ही दूध पिया।

2. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटकर उनके भेदों के नाम भी लिखिए—

उत्तर—

	क्रियाविशेषण	**भेद का नाम**
(क)	तत्काल	कालवाचक क्रियाविशेषण
(ख)	उतना-जितना	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(ग)	आस-पास	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(घ)	धीरे-धीरे	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(ङ)	बहुत	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

3. निम्नलिखित क्रियाविशेषणों के भेद लिखिए—

उत्तर— क्रियाविशेषण परिमाणवाचक रीतिवाचक कालवाचक स्थानवाचक

(क) परिमाणवाचक (✓)
(ख) रीतिवाचक (✓)
(ग) कालवाचक (✓)
(घ) स्थानवाचक (✓)
(ङ) रीतिवाचक (✓)
(च) रीतिवाचक (✓)

2. संबंधबोधक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा या सर्वनाम के स्थान पर आकर उनका दूसरे शब्दों से संबंध बताने वाले शब्दों को संबंधबोधक शब्द कहते हैं।

(ख) संबंधबोधक के दो भेद होते हैं—1. प्रयोग के आधार पर। 2. अर्थ के आधार पर।

(ग) **संबंधवाचक और क्रियाविशेषण में अंतर**—कुछ स्थानवाचक और कालवाचक अव्यय संबंधबोधक भी हैं और क्रियाविशेषण भी। जब इनका प्रयोग संज्ञा या सर्वनाम के साथ होता है, तब ये संबंधबोधक कहलाते हैं और जब ये क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं, तब ये क्रियाविशेषण कहे जाते हैं; जैसे—

वासु यहाँ रहता था।	(क्रियाविशेषण)
हम अपने नाना जी के यहाँ रहते थे।	(संबंधबोधक)
अंदर आओ।	(क्रियाविशेषण)
कमरे के अंदर मेहमान है।	(संबंधबोधक)

2. निम्नलिखित संबंधबोधक शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) वह नव्या **की जगह** नाचती है।

(ख) राम, श्याम **सहित** वन में है।

(ग) राधे **की तरफ** भानु खेलेगा।

(घ) बच्चा माँ **के बिना** नहीं रह सकता।

(ङ) वह उच्च शिक्षा **के लिए** विदेश गया।

3. समुच्चयबोधक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं।

(ख) समुच्चयबोधक के तीन भेद होते हैं।

(ग) **व्यधिकरण समुच्चयबोधक**—जो शब्द आश्रित उपवाक्यों को जोड़ते हैं वे व्यधिकरण समुच्चयबोधक कहलाते हैं; जैसे—
जैसा बोओगे, वैसा काटोगे। मैं ज्योंही आया, त्योंही वह चल दिया।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति समुच्चयबोधक शब्दों से कीजिए—

उत्तर— (क) कॉपियाँ निकाल लीजिए **ताकि** कि शब्दार्थ लिख सकें।

(ख) विभीषण ने रावण को बहुत समझाया **लेकिन** रावण नहीं समझा।

(ग) कम खाओ **वरना** मोटे हो जाओगे।

(घ) मजदूर ने काम किया **तो** उसे मजदूरी मिली।

3. निम्नलिखित अलग-अलग वाक्यों को उचित समुच्चयबोधक शब्दों से जोड़िए—

उत्तर— (क) परीक्षा नजदीक हैं, इसलिए छात्र मेहनत कर रहे हैं।

(ख) सभी जानते हैं कि सूरज पश्चिम में छिपता है।

(ग) तुलसीदास ने राम की भक्ति की और सूरदास ने कृष्ण की भक्ति की।

(घ) उसे स्कूल से निकाल दिया गया क्योंकि उसने अनुशासनहीनता की थी।

4. विस्मयादिबोधक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द हर्ष, घृणा, शोक, आश्चर्य, भय, दु:ख या उत्साह आदि भावों को प्रकट करता है, उसे विस्मयादिबोधक कहते हैं।

(ख) घृणासूचक शब्द—छि:-छि:!, धत्!, दुर्!

2. रिक्त स्थानों में विस्मयादिबोधक शब्द लिखकर इनकी पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) **वाह!** कितना सुंदर दृश्य है।

(ख) **ओह!** कितना ठंडा है।

(ग) **छि:-छि:!** कितने गंदे कपड़े हैं।

(घ) **अरे!** यह तुमने क्या कर डाला।

(ङ) **अजी!** आप आ गए।

3. नीचे लिखे वाक्यों में विस्मयादिबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद लिखिए—

उत्तर—

(क)	**जीते रहो!** तुमने अपने कार्यों से अपने माता-पिता का नाम उज्ज्वल किया।	**हर्ष सूचक**
(ख)	कहाँ जा रहे हो? **अरे!** मेरी बात सुन लो।	**आश्चर्य सूचक**
(ग)	**शाबाश!** तुमने अद्भुत करतब कर दिखाया।	**हर्ष सूचक**
(घ)	**ओहो!** क्या सिर्फ तुम्हारे ही बेटे ने यह कार्य किया है?	**आश्चर्य सूचक**
(ङ)	**बाप रे!** भाग लो यहाँ से।	**चेतावनी सूचक**
(च)	**छी-छी!** इतनी गंदी बात।	**घृणासूचक**
(छ)	**अरे वाह!** दो-दो छुट्टियाँ एक-साथ।	**हर्षसूचक**

18 विराम-चिह्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) लिखते समय वाक्य के बीच विराम को प्रकट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वे विराम-चिह्न कहलाते हैं।

(ख) **कोष्ठक चिह्न ([( )])**—कोष्ठक चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित तीन रूपों में किया जाता है—

वाक्यांश को स्पष्ट करने के लिए; जैसे—वह दूर की सोचने वाला (दूरदर्शी) है।

वाक्य के भीतर आए किसी शब्द को स्पष्ट करने के लिए; जैसे—डॉ० राजेंद्र प्रसाद (भारत के प्रथम राष्ट्रपति) सादा जीवन व्यतीत करते थे।

क्रमसूचक अंकों अथवा अक्षरों के साथ; जैसे—(i), (ii), (iii), (क), (ख) आदि।

(ग) **विवरण-चिह्न ([:—])**—किसी बात को ब्यौरेवार बताने के लिए विवरण-चिह्न (:—) का प्रयोग किया जाता है; जैसे—क्रिया दो प्रकार की होती है:—(i) सकर्मक क्रिया, (ii) अकर्मक क्रिया।

(घ) **लाघव चिह्न ([0])**—किसी शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का प्रथम अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य (०) लगा देते हैं; जैसे—डॉक्टर = डॉ०, पंडित = पं० तथा प्रोफेसर = प्रो० आदि।

2. निम्नलिखित चिह्नों के नाम लिखिए तथा उनका वाक्य में प्रयोग भी कीजिए—

उत्तर—

(क)	(!)	विस्मयवाचक चिह्न	हाय! कितनी गरीब औरत है।
(ख)	(?)	प्रश्नवाचक चिह्न	क्या तुम आज स्कूल जाओगे?
(ग)	(—)	निर्देशक चिह्न	करो या मरो—महात्मा गांधी।
(घ)	(-)	योजक चिह्न	अमीर-गरीब।
(ङ)	(,)	अल्प विराम	आशीष, साहिल, अरहत और तनु पढ़ रहे हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करके पुनः लिखिए—

उत्तर— (क) राजेश नाच रहा है।

(ख) राम, सीता व लक्ष्मण वन गए।

(ग) तुम कहाँ रहते हो?

(घ) वाह! क्या फूल हैं।

(ङ) वनों के निम्नलिखित लाभ हैं—

4. निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए—

उत्तर— मृग देखकर सीता ने कहा, ''स्वामी मुझे यही मृग चाहिए आप मेरे लिए ला दीजिए।'' सीता की बात सुनकर श्री राम ने उत्साह भरे स्वर में कहा, ''यह मृग लेकर ही लौटूँगा। लक्ष्मण; यह वन अनेक राक्षसों का घर है, सीता का ध्यान रखना। मैं शीघ्र ही लौटने का प्रयास करूँगा। जब तक मैं लौट न आऊँ सीता को छोड़कर कहीं मत जाना।'' लक्ष्मण बोले, ''आप चिंता मत कीजिए मैं पूरा ध्यान रखूँगा।'' कौन जानता था? यह घटना सीता हरण का कारण बनेगी। जिस सीता ने सदा राम लक्ष्मण की बात मानी थी, होनी के बस में होकर, उसने लक्ष्मण-रेखा को भी लाँघ दिया।

19 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

(क) जो पदबंध या वाक्यांश सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है, उसे **मुहावरा** कहते हैं।

(ख) **लोकोक्ति** शब्द दो शब्दों लोक + उक्ति के मेल से बना है, जिसका अर्थ है—लोक में प्रचलित या प्रसिद्ध बात। इसे **कहावत** भी कहते हैं। यह एक ऐसा कथन होता है, जिसे किसी बात को प्रमाणित करने के लिए प्रमाण रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

(ग) मुहावरे व लोकोक्ति दोनों ही एक विशेष अर्थ प्रकट करते हैं। परंतु दोनों में प्रयुक्त अंतर यह होता है कि मुहावरें किसी वाक्य के साथ प्रयोग होते हैं; उनका स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता। वहीं, लोकोक्ति का प्रयोग बहुधा स्वतंत्र रूप से किया जाता है।

2. **निम्नलिखित वाक्यों को उचित मुहावरों अथवा लोकोक्तियों द्वारा पूरा कीजिए—**

उत्तर— (क) मैं तुझे इतना मारूँगा कि छठी **का दूध याद आ जाएगा।**

(ख) नौजवान बेटे के मरते ही बूढ़े बाप पर विपत्तियों का पहाड़ **टूट पड़ा।**

(ग) बड़े दिनों के बाद मिले हो भाई। तुम तो बस ईद **का चाँद हो गए हो।**

(घ) एक तो मेरी कमीज फाड़ दी, ऊपर से आँख **दिखा रहे हो।**

(ङ) सब ईश्वर की कृपा है। चैन **की सांस ले रहे हो।**

(च) उन दोनों को एक कोने में बातें करते देख मैं पहले ही समझ गया था कि दाल में **कुछ काला है।**

(छ) काम निकलते ही उसने आँखें **फेर लीं।**

3. **मुहावरों को उनके अर्थों से मिलाइए—**

उत्तर—

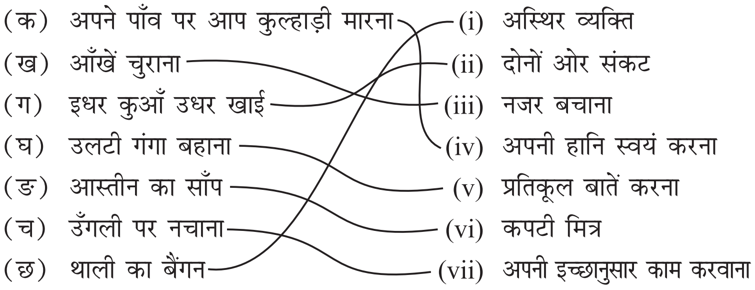

(क) अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना	(i) अस्थिर व्यक्ति
(ख) आँखें चुराना	(ii) दोनों ओर संकट
(ग) इधर कुआँ उधर खाई	(iii) नजर बचाना
(घ) उलटी गंगा बहाना	(iv) अपनी हानि स्वयं करना
(ङ) आस्तीन का साँप	(v) प्रतिकूल बातें करना
(च) उँगली पर नचाना	(vi) कपटी मित्र
(छ) थाली का बैंगन	(vii) अपनी इच्छानुसार काम करवाना

20 वाक्य-विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) अपनी बात या विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए क्रमबद्ध सार्थक शब्द-समूह की आवश्यकता होती है, जिसे वाक्य कहते हैं।

(ख) रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग-अलग कीजिए—

उत्तर—

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	निखिल	शानदार शतक लगाया।
(ख)	नौकर	घर साफ कर दिया।
(ग)	उसने	सफेद हाथी देखा।
(घ)	मैं	गोवा नहीं जा सकूँगा।

3. निम्नलिखित वाक्यों के भेद रचना के आधार पर लिखिए—

उत्तर— (क) संयुक्त वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए—

उत्तर— (क) वह बाजार जाएगा।

(ख) क्या उसने परीक्षा दी?

(ग) पुलिस को देखकर चोर नहीं भागा।

(घ) तुम कक्षा से बाहर चले जाओ।

(ङ) ताजमहल शायद सबसे सुंदर इमारत हैं।

5. निम्नलिखित वाक्यों की सहायता से एक संयुक्त वाक्य और एक मिश्र वाक्य बनाइए—

उत्तर—

(क)	**संयुक्त**	छात्रों न मेहनत की और वे सफल हो गए।
	मिश्र	छात्रों ने मेहनत की जिससे वे सफल हो गए।
(ख)	**संयुक्त**	वह वर्षा में नहाया और बीमार हो गया।
	मिश्र	जब वह वर्षा में नहाया तो बीमार हो गया।
(ग)	**संयुक्त**	भारत शांति चाहता हे लेकिन पड़ोसी देश उसे कमजोर समझते हैं।
	मिश्र	भारत शांति चाहता है इसलिए पड़ोसी देश उसे कमजोर समझते हैं।
(घ)	**संयुक्त**	मैंने गाया-बजाया और सो गया।
	मिश्र	जैसे ही उसने गाया-बजया वैसे ही वो सो गया।

6. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर— (क) (iv) आठ (✓) (ख) (ii) प्रश्नवाचक (✓)
(ग) (iii) इच्छावाचक (✓) (घ) (i) सरल वाक्य (✓)
(ii) संयुक्त वाक्य (✓)

21 कहानी-लेखन

1. अपनी पढ़ी हुई अथवा सुनी हुई ऐसी कहानियाँ लिखिए, जिनसे नीचे लिखी शिक्षाएँ मिलती हों—

उत्तर— (क) जैसे को तैसा

एक गाँव में एक दूधिया था। वह गाँव से दूध लेकर शहर बेचने जाता था। शहर में उसके शुद्ध दूध की चर्चा होने लगी। लोग उसी से दूध खरीदने लगे। इससे दूधिए के मन में लालच आ गया। वह दूध में पानी मिलाकर बेचने लगा। कुछ ही दिनों में उसके पास बहुत पैसे हो गए। एक दिन वह अपना सारा धन थैली में बाँधकर साहूकार के यहाँ सुरक्षित रखने जा रहा था। वह पैदा ही जा रहा था। गरमी का मौसम था। रास्ते में नदी देखकर दूधिये ने सोचा कि हाथ-मुँह धोकर पानी पी लिया जाए। उसने अपनी पोटली नदी किनारे रख दी और नदी से पानी पीने लगा। तभी नदी के किनारे पेड़ पर बैठा एक बंदर नीचे आया और उस थैली को उठाकर पेड़ पर चढ़ गया। बंदर ने थैली के अंदर हाथ डालकर देखा और उसमें खाने की चीज न पाकर गुस्से से थैली को नोचने लगा। दूधिया यह देखकर बहुत परेशान हो गया। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि कैसे अपनी कमाई को बंदर से बचाए। बंदर ने पूरी थैली फाड़कर नदी में फेंक दी। दूधिया किनारे पर बैठकर रोने लगा। अब उसे समझ आया कि लालच से कमाई गई लक्ष्मी कभी नहीं टिकती।

शिक्षा—जो जैसा करता है वैसा ही भरता है।

(ख) बुद्धि ही बल है।

एक बार की बात है। एक गाँव में एक बूढ़ी औरत रहती थी। वह अकेली रहती थी और सब उसे काकी कहते थे। काकी के पास एक सुंदर मोर था। काकी उसे प्यार से 'मयूर' कहती थी। एक बार गाँव में एक दुष्ट व्यापारी आया। उसने मयूर को देखा तो वो मोहित हो गया। वो काकी से बोला, ''अम्मा, मैं तुम्हें इस मोर के मुँह-माँगे दाम दूँगा। आप इसे मुझे दे दो।'' काकी ने कहा, ''नहीं, यह मेरे लिए पुत्र के समान हे। मैं इसे नहीं बेचूँगी।'' व्यापारी इससे गुस्सा हो गया और उसने काकी को सबक सिखाने की ठानी। एक दिन मौका पाकर उसने दानों के लालच से मयूर को पास बुलाया ओर घर में बंद कर लिया। मयूर को ढूँढ़ती काकी जब वहाँ आई तो वो बोला कि मैं कुछ नहीं जानता। काकी ने मयूर की आवाज सुन ली। वो बोली,

''तुम झूठ बोलते हो। मयूर यही है।'' व्यापारी ने कहा, ''बुढ़िया तू पागल हो गई है। हर जगह मयूर की आवाज आ रही है।'' काकी वहाँ से चली गई और मन-ही-मन उससे मयूर को वापस लेने की योजना बनाने लगी। अगले दिन काकी ने व्यापारी के छोटे से बच्चे को अपने पास बुलाया और उसे एक बहुत खूबसूरत मोर-पंख देकर कहा कि मैंने एक नया मोर खरीदा है। उसी का पंख है यह, जाओ खेलों। व्यापारी ने पंख देखा तो सोचने लगा कि अरे, कितना सुंदर होगा मोर। वो उसी रात को काकी के घर में चोरी-छिपे घुस गया। बाहर छिपकर बैठी काकी ने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया।

जब व्यापारी को ढूँढ़ते हुए उसके बीवी-बच्चे आए तो वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा। काकी ने उसकी पत्नी से कहा, ''तुम सब पागल हो गए हो। हर जगह तुम्हें उसकी ही आवाज आ रही है।'' व्यापारी को अपनी गलती का एहसास हो गया। उसने काकी से क्षमा माँगी और मयूर को वापस कर दिया।

शिक्षा—बुद्धि से काम कर हम किसी भी परेशानी का सामना कर सकते हैं।

(घ) लालच बुरी बला है।

एक बार की बात है एक गाँव में दो महिला रहती थीं। एक का नाम था विमला और एक नाम था कमला। विमला एक दयालु और भली महिला थी जबकि कमला एक कपटी महिला थी। एक बार दोपहर के समय एक बूढ़ी महिला गाँव में भीख माँगने आई। किसी ने भी उसके लिए दरवाजे नहीं खोले। जब वह विमला के घर आई तो उसने उसे आदर से घर में बैठाया और भरपेट खाना दिया। बूढ़ी औरत ने उसे आशीष देते हुए एक सिक्का दिया और कहा कि यह एक चमत्कारी सिक्का है। तुम इसे जिस भी बर्तन में पानी के अंदर रखोगी वह बर्तन सिक्कों से भर जाएगा। विमला ने वह सिक्का लेकर एक पानी के बर्तन में रख दिया। थोड़ी देर में वह बर्तन सिक्कों से भर गया। अब धीरे-धीरे विमला धनी होने लगी। कमला ये देखकर जल भुन गई और उसने पता लगा लिया कि एक चमत्कारी सिक्के से विमला इतनी अमीर हुई है। एक दिन मौका देखकर कमला ने वह सिक्का विमला के घर से चुरा लिया। अब विमला भी धीरे-धीरे अमीर होने लगी। लेकिन उसका लालच धीरे-धीरे बढ़ता ही जा रहा था। उसने सोचा कि यदि मैं इस सिक्के को किसी नदी में गिरा दूँ तो? वह बिना कुछ सोचे एक गहरी नदी के पास जाकर उस सिक्के को वहाँ गिरा दिया। सिक्का नदी की अथाह गहराई में गिर गया। थोड़ी देर बाद उसने देखा की पानी में सिक्के नहीं आये। फिर कमला समझ गई कि उसने अपने लालच के कारण अपने हाथ से वह जादुई सिक्का खो दिया है। वह जोर-जोर से वहाँ बैठकर रोने लगी।

शिक्षा—अधिक लालच का परिणाम बुरा ही होता है।

22 पत्र-लेखन

1. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को खेलों के सामान की समुचित व्यवस्था करने का आग्रह करते हुए एक पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
सरस्वती शिशु मंदिर,
मेरठ।

विषय—खेलों के सामान की व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य को पत्र

माननीय महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मैं आपके वि्यालय में कक्षा सात 'अ' की छात्रा हूँ। महोदय, अगले माह हमारे विद्यालय की फुटबॉल टीम जिला स्तरीय खेलों में प्रतिभाग करेगी। परंतु विद्यालय में उचित खेल का सामान नहीं है। इस कारण हम खेल का अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं। इससे हमारा प्रदर्शन खराब हो सकता है। अत: आप शीघ्र ही खेल का सामान उपलब्ध कराए।

मैं सदैव आपकी अनुगृहीत रहूँगी।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या
नगमा
कक्षा—सात 'अ'
दिनांक : ....

3. अपने छोटे भाई को कुसंगति से बचने के लिए पत्र लिखिए।

डी-50, लक्ष्मीनगर
नई दिल्ली-68
5 जुलाई, 22xx

प्रिय प्रारब्ध,

शुभाशीष!

आशा है तुम जयपुर में कुशलता से होंगे। कल ही तुम्हारे महाविद्यालय से सूचना मिली कि तुम महाविद्यालय में झगड़ा करते पाए गए हो। मुझे अत्यंत निराशा हुई। तुम भली-भाँति जानते हो कि इस प्रकार की गतिविधियों के कारण तुम अपना ही भविष्य खराब करोगे। माता-पिता को तुमसे बहुत आशाएँ हैं।

आशा है तुम मेरी बात समझोगे। बुरी संगति से बचकर ही तुम जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हो। अत: बुरे लड़कों की संगति से बचों। अपना ध्यान रखों। यहाँ पर सब कुशल-मंगल हैं।

तुम्हारा भाई,
नकुल सावंत।

4. स्थानांतरण प्रमाण-पत्र के लिए प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए।

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
नेहरू पब्लिक स्कूल
मुरादाबाद।

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मेरे पिता जी केंद्रीय विभाग में सेवारत हैं। विभागीय स्तर पर उनका स्थानांतरण मेरठ शहर के लिए हो गया है। मुझे वहाँ किसी विद्यालय में प्रवेश लेना होगा, जिसके लिए मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।

अत: आपसे अनुरोध है कि मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र देने की कृपा करें, जिससे मुझे नए विद्यालय में प्रवेश लेने में असुविधा न हो।

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य
आशुतोष वर्मा
कक्षा-7 'ब'
दिनांक : 17 अप्रैल 22xx

7. कॉलोनी में अस्वच्छता हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम, मेरठ।

महोदय,

हमारी कालोनी में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। सफाई कर्मचारी सप्ताह में कुछ ही दिन आते हैं। लोगों ने मजबूरी के कारण इधर-उधर कूड़ा फेंकना शुरू कर दिया है। इससे चारों तरफ भयंकर बदबू फैल गई है ओर आवारा पशुओं ने डेरा जमा लिया है। इससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का डर व्याप्त हो गया है।

आपसे अनुरोध है कि आप अतिशीघ्र हमारे मुहल्ले की सफाई-व्यवस्था को सुचारु कराएँ।

सधन्यवाद।

भवदीय
डॉ० मेराज खान
65-साकते, मेरठ
दिनांक-5 जुलाई, 22xx

23 दैनंदिनी (डायरी) लेखन

1. पहली बार साइकिल चलाने के बाद रोहन की डायरी लिखिए।

मंगलवार, 30 जुलाई, 22xx

अंततः आज पापा मेरे लिए साइकिल लेकर आ ही गए। मैंने तुरंत ही साइकिल उठाई और मैदान की तरफ निकल गया। मुझे घबराहट हो रही थी। मैंने देखा एक अंकल मुझे ही देख रहे हैं। वह मेरे पास आए और बोले, ‘‘डरते क्यों हो? मैं पीछे से तुम्हें पकड़ता हूँ।’’ मुझे अब थोड़ी हिम्मत आई और मैंने पैडल चलाने शुरू किए।

मैं संतुलन नहीं बना पाया और गिरते-गिरते बचा। अंकल ने मुझे एक बार साइकिल चलाकर दिखाई। मैंने फिर से प्रयास किया और इस बार मैं थोड़ा-बहुत चला पाया। कल मैं मनीष को साथ लेकर जाऊँगा। हम दोनों साइकिल चलाएँगे।

रोहन।

4. किसी समारोह की डायरी लिखिए।

रविवार, 4 अप्रैल, 22xx

वैसे मुझे ज्यादा बाहर जाना पसंद नहीं है। परंतु आज हमारे शहर में छात्राओं के लिए सम्मान-समारोह का आयोजन हुआ था। मैं और सोनम दोनों वहाँ गए। वहाँ पर हमारे शहर की कई गणमान्य महिलाएँ उपस्थित थीं। वहाँ पर मुझे और सोनम को भी हमारे परीक्षा-परिणाम के लिए सम्मानित किया गया। मुझे और सोनम को वहाँ जाकर बहुत प्रसन्नता हुई।

नेहा।

24 निबंध-लेखन

1. निम्नलिखित शीर्षकों पर निबंध लिखिए—

उत्तर— **(क) कंप्यूटर**—20वीं सदी में कंप्यूटर क्षेत्र में आई क्रांति से सूचनाओं की प्राप्ति और संसाधन में काफी तेजी आई है। इस क्रांति के कारण ही देख लें किसी क्षेत्र में कंप्यूटरीकरण संभव हो पाया है। स्थिति यह हे कि माइक्रो प्रोसेसर के बिना अब किसी मशीन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पिछले चार दशकों में कंप्यूटर की पहली चार पीढ़ियाँ क्रमशः वैक्यूम ट्यूब तकनीकी, ट्रांजिस्टर और प्रिंटेड सर्किट तकनीकी, इंटिग्रेटेड सर्किट तकनीकी और वैरी लार्ज स्केल इंटिग्रेटेड तकनीकी पर आधारित थी। चौथी पीढ़ी की तकनीक में माइक्रो प्रोसेसरों का वजन केवल कुछ ग्राम तक ही रह गया। आज पाँचवीं पीढ़ी के कंप्यूटर तो कृत्रिम बुद्धि वाले बन गए हैं। वास्तव में कंप्यूटर एनॉलॉग या डिजिटल मशीनें ही हैं। अंकों को एक सीमा में परस्पर भिन्न भौतिक मात्राओं में परिवर्तित करने वाले कंप्यूटर एनॉलॉग कहलाते

हैं। जबकि अंकों का इसतेमाल करने वाले कंप्यूटर डिजिटल कहलाते हैं। एक तीसरी तरह के कंप्यूटर भी हैं जो हाइब्रिड कहलाते हैं। इसमें अंकों का संचय और परिवर्तन डिजिटल रूप में होता है लेकिन गणना एनॉलॉग रूप में होती है।

विज्ञान के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का आयाम जुड़ने से हुई प्रगति ने हमें अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान की हैं। इनमें मोबाइल फोन कंप्यूटर तथा इंटरनेट का विशिष्ट स्थान है। कंप्यूटर का विकास गणना करने के लिए विकसित किए यंत्र कैलकुलेटर से जुड़ा है। इससे जहाँ कार्य करने में समय कम लगता है, वही मानव श्रम में भी कमी आई है।

1944 में पहला विद्युत चालित कंप्यूटर बना। तबसे लेकर अब तक इसमें कई तरह के बदलाव आए हैं जैसे कि वह किसी भी गणना को करने में सेकेंड का दस प्रतिशत भाग जितना समय लेता है। इसके अलावा उससे अन्य कई तरह के कार्य भी लिए जा सकते हैं। चार्ल्स बेवज पहले व्यक्ति थे। जिन्होंने 19वीं शताब्दी के आरंभ में सबसे पहला कंप्यूटर बनाया। इसकी विशेषता यह भी थी कि यह बड़ी गणनाओं को करने तथा उन्हें मद्रित करने की क्षमता रखता था। भारत में शुरुआती दौर में कंप्यूटरों का इस्तेमाल काफी सीमित था, परंतु वर्तमान में इसका प्रयोग बैंक, अस्पताल, प्रयोगशाला, विद्यालय आदि सभी स्थानों पर किया जाने लगा है।

कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से देश के प्रमुख नगरों को एक-दूसरे के साथ जोड़े जाने की प्रक्रिया जारी है। भवनों, मोटर-गाड़ियों, हवाई-जहाजों आदि के डिजाइन तैयार करने में कंप्यूटर का व्यापक प्रयोग हो रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में तो कंप्यूटर ने अद्भुत कमाल कर दिखाया है। इसके माध्यम से करोड़ों मील दूर अंतरिक्ष के चित्र लिए जा रहे हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क द्वारा देश-विदेश को जोड़ने को ही इंटरनेट कहा जाता है। नेटवर्क केवल एक ही कंप्यूटर से नहीं जुड़ा होता है, अपितु कई सारे कंप्यूटर जो देश-विदेश में हैं को इंटरनेट द्वारा आपस में जोड़ता है। इंटरनेट की शुरुआत 1969 में अमेरिका के रक्षा विभाग ने शुरू की थी। 1990 में इसका व्यक्तिगत व व्यापारिक सेवाओं में भी प्रयोग किया जाने लगा। वर्तमान में इसके प्रयोगकर्ता पच्चीस प्रतिशत की दर से प्रतिमाह बढ़ रहे हैं।

कंप्यूटर चाहे कम समय में मानव से ज्यादा काम कर ले और वह भी बिना किसी त्रुटि के, लेकिन फिर भी इसे मानव मस्तिष्क से तेज नहीं माना जा सकता क्योंकि इसका आविष्कार करने वाला मनुष्य ही है। इसलिए कंप्यूटर से श्रेष्ठ मानव है।

(ख) जीवन में खेलों का महत्व—महान दार्शनिक अरस्तू ने ठीक ही कहा है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। शरीर को सुचारु रूप से चलाने के लिए व्यायाम तथा खेलकूद अत्यंत आवश्यक है। प्राचीन काल से ही मानव खेल-कूद द्वारा अपना मनोरंजन व व्यायाम करता रहा है। प्राचीन काल में मल्ल-युद्ध, घुड़सवारी आदि खेलों द्वारा मनुष्य अपनी शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि करता था। वर्तमान में विभिन्न प्रकार के खेल जैसे—क्रिकेट, कुश्ती,

बैडमिंटन, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल आदि प्रचलन में है। पहले समाज में यह गलत धारणा थी कि खेल-कूद करने वाले बेकार होते हैं। परंतु वर्तमान युग में खेलों का महत्व सब समझने लगे हैं। खेलों से बच्चों का स्वास्थ्य उत्तम रहता है। उनका मानसिक व शारीरिक विकास होता है। समाजशास्त्रियों का कथन है कि खेलने-कूदने से बच्चों में आपसी समझ व सामाजिकता का विकास होता है। वे मिल-जुलकर रहने तथा प्रतिस्पर्धा के होते हुए भी आपसी सद्‌भाव को बनाए रखना सीखते हैं। आज के युग में खेल विभिन्न राष्ट्रों और संस्कृतियों को आपस में जोड़ने का काम भी करते हैं। विभिन्न खेल आयोजनों द्‌वारा राष्ट्र अपनी विभिन्नताओं को भुलाकर एक-दूसरे के निकट आ जाते हैं। ओलंपिक विश्व का सबसे प्राचीन व विशाल खेल-आयोजन है। इसकी शुरुआत प्राचीन ग्रीस में हुई थी। विश्व के लगभग सभी राष्ट्र इस खेल आयोजन में भाग लेते हैं। दुर्भाग्य से आज की पीढ़ी खेलों के महत्व को भुलाती जा रही है। बच्चे अपना अधिकतर समय मोबाइल व टी०वी० के साथ बिताते हैं। इससे वे मोटापे, आलस ओर अन्य परेशानियों से घिरे रहते हैं। हमें पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी उचित महत्व देना चाहिए। इससे हम शारीरिक व मानसिक दोनों प्रकार से स्वस्थ रहते हैं।

(च) गणतंत्र दिवस—सदियों की ठंडी पड़ी राख सुगबुगा उठी, मिट्‌टी सोने का ताज पहनकर आती है।

दो राह, समय के रथ का घर्घर नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

उपर्युक्त पंक्तियों में महाकवि दिनकर ने भारत के गणतंत्र तथा भारत की स्वाधीनता का स्वागत किया है। स्वाधीनता सभी को अच्छी लगती है। मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी भी किसी के अधीन नहीं रहना चाहते। सोने के पिंजरे में बंद पंछी भी गा उठता है—'हम पंछी उन्मुक्त गगन के, पिंजरबद्‌ध न गा पाएँगे।' उन्हें कनक तीलियाँ पसंद नहीं हैं। पक्षी को पिंजरे में दिया गया स्वादिष्ट खाना अच्छा नहीं लगता, उसे तो स्वच्छंद उड़ान भरते हुए, 'कटुक निबौरी' पसंद है। पराधीनता एक अभिशाप है। इसीलिए अनेक देशभक्तों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। अंतत: 15 अगस्त, 1947 को देश पराधीनता के पिंजरे से मुक्त हो गया।

26 जनवरी, 1950 को स्वाधीन भारत का अपना संविधान लागू किया गया था। इसलिए इसी दिन बच्चे अर्थों में भारत में एक पूर्ण प्रभुता-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणतंत्र का जन्म हुआ था। इसी दिन डॉ० राजेंद्र प्रसाद को भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई थी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 26 जनवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। 26 जनवरी, 1929 को लौहार में कांग्रेस के अधिवेशन में रावी नदी के तट पर पूर्ण स्वतंत्रता की माँग की गई थी। इसीलिए स्वाधीन भारत के संविधान को लागू करने के लिए 26 जनवरी के दिन को चुना गया।

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, जो पूरे देश में अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। भारत की राजधानी दिल्ली में इसका आयोजन अत्यंत भव्यता के साथ किया

जाता है। इस दिन प्रात:काल सबसे पहले हमारे प्रधानमंत्री इंडिया गेट पर 'अमर जवान ज्योति' पर देश के शहीदों के प्रति अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करने जाते हैं। तत्पश्चात् राष्ट्रपति अपनी विशेष सवारी में बैठकार वहाँ आते हैं। विजय चौक तथा राजपथ के दोनों और अपार जनसमूह एकत्र होता है। प्रधानमंत्री द्‌वारा राष्ट्रपति का स्वागत किया जाता है। राष्ट्रपति ध्वजारोहण करते हैं। इसके बाद सेना के तीनों अंगों, पुलिस बलों के जवान परेड करते हुए राष्ट्रपति को सलामी देते हैं। उनके आगे-आगे बैंडवादक आकर्षक धुनें बजाते हुए चलते हैं। इस परेड में सैनिक साज-सामान भी प्रदर्शित किया जाता है। स्कूलों के बच्चे तथा राज्यों से आए लोक नर्तक भी अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।

इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों का दल भी राष्ट्रपति को सलामी देता हुआ गुजरता है। हाथियों पर सवार वे बच्चे भी राष्ट्रपति को सलामी देते हुए निकलते हैं, जिन्हें असाधारण वीरता एवं शौर्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

सबसे अंत में विभिन्न राज्यों की झाँकियाँ निकलती हैं, जिनमें संबंधित राज्य की प्रगति या लोक संस्कृति की झलक प्रदर्शित की जाती है। ये झाँकियाँ अत्यंत आकर्षक होती हैं।

26 जनवरी के इस आयोजन को देखने अपार जनसमूह उमड़ पड़ता है। इसमें किसी विदेश के राजनेता को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। परेड विजय चौक से लाल किले तक जाती है। मार्ग में दोनों ओर खड़ी जनता करतल ध्वनि से इसका स्वागत करती है।

शाम के समय सरकारी भवनों पर प्रकाश किया जाता है। राष्ट्रपति भवन भी प्रकाश से जगमगा उठता है। इसी दिन हमारे राष्ट्रपति विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रतिभा रखने वाले व्यक्तियों को पदक प्रदान करके सम्मानित करते हैं।

26 जनवरी हमारा प्रमुख राष्ट्रीय पर्व है। यह पर्व हमें देश के उन अमर सपूतों की स्मृति कराता है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई। इस दिन हमें देश की एकता तथा अखंडता की रक्षा करने का प्रण लेना चाहिए।'

मातृभाषा (हिंदी पाठ्यपुस्तक-8)

1 भाषा और व्याकरण

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जिस साधन के द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करता है और दूसरों के विचारों को समझता है, उसे भाषा कहते हैं।

(ख) **मौखिक या उच्चरित भाषा**—'मौखिक' या 'उच्चरित' भाषा का बोलचाल का रूप है। उच्चरित भाषा की आधारभूत इकाई मुख से निकलने वाली सार्थक ध्वनि है। प्रत्येक भाषा में अनेक ध्वनियाँ होती हैं। इन ध्वनियों के परस्पर योग विभिन्न शब्दों को जन्म देते हैं। ये शब्द वाक्यों में प्रयुक्त किए जाते हैं।

लिखित भाषा—मन के भावों तथा विचारों को जब लिखकर प्रकट किया जाता है, तो यह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

(ग) **भाषा के दोनों रूपों का महत्व**—व्यवहार में भाषा के दोनों रूपों का बहुत महत्व है। दैनिक व्यवहार में भाषा का मौखिक रूप ही अधिक-से-अधिक प्रयोग में लाया जाता है। लिखित भाषा का प्रभाव तो स्पष्ट है। भाषा के लिखित रूप के कारण ही हमारा प्राचीन साहित्य, जो ज्ञान का अनुपम भंडार है, सुरक्षित रहा है। विश्व के सभी महत्वपूर्ण कार्य लिखित भाषा में ही होते हैं।

लिखित भाषा का रूप स्थायी है, अत: भाषा का लिखित रूप अधिक महत्वपूर्ण है।

(घ) **भाषा के दोनों रूपों में अंतर**—भाषा का मौखिक रूप परिवर्तनशील है, किंतु लिखित रूप में स्थिरता बनी रहती है। इस अंतर के कारण इसके लिखित रूप की महत्ता अधिक मानी जाती है।

(ङ) सामान्यत: ''बोली' भाषा के उस मौखिक रूप को कहते हैं, जो एक विशेष क्षेत्र में प्रचलित हो। भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है, 'बोली' एक छोटे क्षेत्र तक सीमित रहती है।

एक भाषा में प्राय: अनेक बोलियाँ होती हैं। भाषा में साहित्य रचना होती है, बोली का रूप मौखिक होता है।

हिन्दी भाषा में बोली जाने वाली प्रमुख बोलियाँ हैं—बुंदेली, मारवाड़ी, कन्नौजी, भोजपुरी, हिमाचली आदि।

(च) बोली का विकास होने पर उसका क्षेत्र बढ़ जाता है। ऐसे में शिक्षित वर्ग भी उसे प्रयोग में लाने लगता है और उसमें साहित्य का निर्माण होने लगता है।

इस स्थिति में बोली 'उपभाषा' का रूप लेने लगती है। ब्रजभाषा, अवधी, मैथिली तथा खड़ी बोली, बोलियाँ हैं, परंतु साहित्य-रचना में स्थान पाने पर ये उपभाषा बन गई हैं।

(छ) मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए 'ध्वनि-चिह्नों' का प्रयोग किया जाता है, उन ध्वनि चिह्नों के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।

(ज) प्रत्येक भाषा के अपने कुछ नियम होते हैं। व्याकरण में भाषा के इन नियमों की चर्चा होती है। व्याकरण के आधार पर ही हम भाषा का व्यवहार करते हैं और उसे समझते हैं। भाषा को मौखिक और लिखित, दो वर्गों में विभाजित किया जाता है, किंतु अध्ययन और अध्यापन के संदर्भ में उसके लिखित रूप का विशेष महत्व है।

''व्याकरण वह शास्त्र है, जो किसी भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, समझना, लिखना तथा पढ़ना सिखाता है।'' व्याकरण यह कार्य भाषा का विश्लेषण करके करता है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) भाषा शब्द **भाष्** धातु से बना है, जिसका अर्थ है—'बोलना'।

(ख) बोली का क्षेत्र **सीमित** होता है, जबकि भाषा का क्षेत्र व्यापक।

(ग) नेता का भाषण देना **मौखिक** भाषा का उदाहरण है।

(घ) भाषा के शुद्ध और सार्थक स्वरूप का निर्धारण **व्याकरण** करता है।

(ङ) भाषा **ध्वनियों** से बनती है।

(च) बोली किसी **भाषा** का ही अंग होती है।

(छ) शब्द **ध्वनि** से बनते हैं।

3. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य

(घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए—

उत्तर—

संस्कृत	**देवनागरी**	मराठी	**देवनागरी**
हिंदी	**देवनागरी**	उर्दू	**फारसी**
पंजाबी	**गुरुमुखी**	अंग्रेजी	**रोमन**

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

उत्तर— (क) वह लड़का पढ़ रहा है। (ख) वह औरत खाना बना रही है।

(ग) यह लड़की कक्षा 8 में पढ़ती है। (घ) रमन ने चावल खाए।

(ङ) अध्यापक जी हमें पढ़ाते हैं।

(च) सभी छात्र कक्षा में बैठे हैं।

2 वर्ण-विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

(ख) **स्वरों के भेद**—उच्चारण में लगने वाले समय के अनुसार स्वरों के तीन भेद होते हैं—

(i) **ह्रस्व स्वर**—जिन स्वरों के उच्चारण में केवल एक मात्रा का समय लगता है, वे ह्रस्व स्वर कहलाते हैं। ये चार हैं—अ, इ, उ, ऋ।

(ii) **दीर्घ स्वर**—जिन स्वरों का उच्चारण करते समय ह्रस्व स्वरों से लगभग दुगना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये सात हैं—आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

(iii) **प्लुत स्वर**—जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से लगभग तीन गुना समय लगता है, वे प्लुत स्वर कहलाते हैं; जैसे—ओ३म्। (आजकल इसका प्रयोग नहीं किया जाता है।)

(ग) स्वर तथा व्यंजन में प्रमुख अंतर यह है कि स्वर स्वतंत्र ध्वनियाँ होती हैं, उन्हें उच्चारण के लिए अन्य वर्णों की आवश्यकता नहीं होती है। परंतु व्यंजनों को उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता आवश्यक होती है।

(घ) अं, अँ तथा अः अयोगवाह कहलाते हैं। वर्णमाला में इनका स्थान स्वरों के बाद और व्यंजनों से पहले होता है। अं को अनुस्वार, अँ को अनुनासिक तथा अः को विसर्ग कहा जाता है।

2. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य

3. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों व द्‌वित्व व्यंजनों से तीन-तीन शब्द बनाइए—

उत्तर—

(क)	ज्य	**ज्योति**	**ज्योतिष**	**ज्योत्सना**
(ख)	ल्ल	**मल्लयुद्‌ध**	**कुल्ला**	**पल्ला**
(ग)	द्‌ध	**शुद्‌ध**	**अवरुद्‌ध**	**क्रूद्‌ध**
(घ)	च्च	**सच्चा**	**बच्चा**	**कच्चा**
(ङ)	न्न	**सन्न**	**आसन्न**	**प्रसन्न**

4. निम्नलिखित का प्रयोग करके चार-चार शब्द लिखिए—

उत्तर—

(क)	संयुक्ताक्षर	**सुप्त**	**जल्प**	**स्वर्गीय**	**ज्योति**
(ख)	अनुनासिक	**माँ**	**गाँधी**	**आँधी**	**साँप**
(ग)	विसर्ग	**सायंः**	**स्वतः**	**अतः**	**प्रातः**
(घ)	संयुक्त व्यंजन	**शास्त्र**	**श्री**	**ज्ञात**	**रक्षा**

3 शब्द-विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

(ख) शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित आधारों पर किया जाता है—1. उत्पत्ति के आधार पर, 2. रचना के आधार पर, 3. प्रयोग के आधार पर, 4. अर्थ के आधार पर।

(ग) **योगरूढ़ शब्द**—वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दांशों से बने होते हैं, परंतु अर्थ की दृष्टि से अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर परंपरा से विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं; जैसे—

जलज — जल + ज — जल में उत्पन्न होने वाला — कमल
चारपाई— चार + पाई — चार पायों वाली — खाट

रूढ़ शब्द—ऐसे शब्द जो विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, रूढ़ शब्द कहलाते हैं। ऐसे शब्दों के खंडों का कोई अर्थ नहीं होता; जैसे—र + थ = रथ र; थ
(एक वस्तु का नाम) (कोई अर्थ नहीं)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) वे शब्द जिनका **अर्थ** होता है, सार्थक शब्द कहलाते हैं।

(ख) वाक्यों में प्रयोग करने पर जिन शब्दों के रूप में परिवर्तन आता है, उन्हें **विकारी** शब्द कहते हैं।

(ग) जिन शब्दों के खंडों का **कोई अर्थ** नहीं होता, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं।

(घ) हिंदी में विदेशी भाषाओं से लिए गए शब्द **विदेशी** शब्द कहलाते हैं।

(ङ) वर्णों के सार्थक समूह को **शब्द** कहते हैं।

3. 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए—

उत्तर— (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य
(ङ) सत्य

4. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज व विदेशी शब्द अलग-अलग लिखिए—

उत्तर—

तत्सम	**तद्भव**	**देशज**	**विदेशी**
वत्स	ऊँट	थैला	रेडियो
आश्रय	सिर	पगड़ी	पेन
दिवस	मुँह	डिबिया	स्टेशन
बधिर	घर	लोटा	इंजन

5. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए—

उत्तर—

(क)	मोर	**मयूर**	(ख)	पीला	**पीत**
(ग)	ब्याह	**विवाह**	(घ)	कान	**कर्ण**
(ङ)	तिनका	**तृण**	(च)	मीत	**मित्र**
(छ)	धीरज	**धैर्य**	(ज)	दही	**दधि**
(झ)	दिन	**दिवस**	(ञ)	दाँत	**दन्त**

6. निम्नलिखित शब्दों में से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग-अलग कीजिए—

उत्तर—

रूढ़	**यौगिक**	**योगरूढ़**
हाथी	प्रधानमंत्री	हिमालय
सूर्य	रसोईघर	पुस्तकालय
पुस्तक	उपकार	चारपाई
रथ		दशानन लंबोदर

7. निम्नलिखित अलग-अलग शब्दों में प्रयुक्त शब्दों को लिखिए—

उत्तर—

(क)	टिकटघर	**टिकट**	**(विदेशी शब्द)**	+	**घर**	**(तद्भव शब्द)**
(ख)	सीलबंद	**सील**	**(अंग्रेजी शब्द)**	+	**बंद**	**(फारसी शब्द)**
(ग)	तहसीलदार	**तहसील**	**(अरबी)**	+	**दार**	**(फारसी शब्द)**
(घ)	पानदान	**पान**	**(हिंदी)**	+	**दान**	**(फारसी)**
(ङ)	रेलगाड़ी	**रेल**	**(अंग्रेजी शब्द)**	+	**गाड़ी**	**(हिंदी शब्द)**
(च)	माँगपत्र	**माँग**	**(हिंदी)**	+	**पत्र**	**(संस्कृत)**

4 उपसर्ग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्दांश मूल शब्दों से पहले जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। जैसे; शब्द अभाव तथा अमर में 'अ' उपसर्ग का प्रयोग होकर भाव व मर में नया अर्थ उत्पन्न हो गया है।

(ख) हिन्दी में उपसर्ग चार प्रकार के होते हैं—1. संस्कृत के उपसर्ग 2. हिंदी के उपसर्ग 3. उर्दू के उपसर्ग 4. संस्कृत के अव्यय।

2. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो नए शब्द बनाइए—

उत्तर—

(क)	गैर	**गैरमुल्क**	**गैरमर्द**	(ख)	सत्	**सज्जन**	**सत्कर्म**
(ग)	उप	**उपमंत्री**	**उपनयन**	(घ)	उत्	**उत्कल**	**उत्तम**
(ङ)	अन	**अनपढ़**	**अनगढ़**	(च)	कु	**कुफल**	**कुमार्ग**

(छ)	वि	**विशेष**	**विमान**	(ज) हर	**हर जगह**	**हर कोई**

3. **निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द लिखिए—**

उत्तर—

(क)	स्थायी	**अस्थायी**	(ख)	पूर्ण	**अपूर्ण**
(ग)	ज्ञान	**विज्ञान**	(घ)	राष्ट्रीय	**अंतर्राष्ट्रीय**
(ङ)	फल	**कुफल**	(च)	हार	**प्रहार**
(छ)	गम	**बेगम**	(ज)	देश	**विदेश**
(झ)	आचार	**अत्याचार**	(ञ)	नसीब	**खुशनसीब**
(ट)	काल	**चिरकाल**	(ठ)	पसंद	**नापसंद**

4. **निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग व मूल शब्द अलग-अलग कीजिए—**

उत्तर—

		उपसर्ग	**मूल शब्द**
(क)	नासमझ	**ना**	**समझ**
(ख)	कुरूप	**कु**	**रूप**
(ग)	अतिरिक्त	**अति**	**रिक्त**
(घ)	अंतरात्मा	**अंतर**	**आत्मा**
(ङ)	प्राचीन	**प्रा**	**चीन**
(च)	कमजोर	**कम**	**जोर**
(छ)	औगुण	**औ**	**गुण**

5. **नीचे दिए गए शब्दों में उन शब्दों के नीचे रेखा खींचिए, जिनमें सही उपसर्ग का प्रयोग हुआ है—**

उत्तर—

(क)	आमरण	अवमरण	विमरण
(ख)	अपरिवार	सपरिवार	भरपरिवार
(ग)	बेपसंद	नापसंद	दुष्पसंद
(घ)	अधपका	बेपका	अनपका

5 प्रत्यय

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। जेसे—कमाऊ, बिकाऊ, मिठाई आदि शब्दों में क्रमश: ऊ तथा आई प्रत्यय का प्रयोग हुआ है।

(ख) प्रत्यय के दो भेद होते हैं।

(ग) **कृत प्रत्यय**—जो प्रत्यय क्रियाओं के अंत में लगते हैं, उन्हें कृत प्रत्यय अथवा कृदंत कहते हैं।

2. **नीचे दिए गए शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए—**

उत्तर—

	प्रत्यययुक्त शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	लिखावट	**लिख**	**आवट**
(ख)	पुजापा	**पूजा**	**आपा**
(ग)	भारतीय	**भारत**	**ईय**
(घ)	रसोइया	**रसोई**	**इया**
(ङ)	स्मरणीय	**स्मरण**	**ईय**
(च)	लुटिया	**लुटी**	**इया**

6 संधि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) दो वर्णों के मेल से उनके मूल रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे संधि कहते हैं। संधि के तीन भेद होते हैं।

(ख) **स्वर संधि**—स्वर संधि में दो स्वरों का मेल होता है; जैसे—परम + अर्थ = परमार्थ (अ + अ = आ); यहाँ दो स्वरों (अ + अ) का मेल हुआ है।
स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं।

(ग) **व्यंजन संधि**—स्वर और व्यंजन, व्यंजन और स्वर तथा व्यंजन और व्यंजन का मेल हो जाने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहा जाता है।

(घ) **विसर्ग संधि**—विसर्ग के बाद किसी स्वर या व्यंजन के आने से विसर्ग में जो परिवर्तन होता है, वह विसर्ग संधि कहलाती है।

2. **निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए—**

उत्तर—

(क)	प्रति	+ उपकार	**प्रत्युपकार**	(ख)	भौ	+ उक	**भावुक**
(ग)	तत्	+ अनुसार	**ततानुसार**	(घ)	वाक्	+ ईश	**वागीश**
(ङ)	मुनि	+ इंद्र	**मुनेन्द्र**	(च)	परम	+ ओज	**परमौज**
(छ)	सीमा	+ अंत	**सीमांत**	(ज)	मत	+ ऐक्य	**मतैक्य**

3. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए—**

उत्तर—

(क)	निर्धन	**निर्**	**+ धन**	(ख)	नीरोग	**निः**	**+ रोग**
(ग)	नायिका	**नै**	**+ इका**	(घ)	उन्नति	**उन्**	**+ नति**
(ङ)	जगदीश	**जगत्**	**+ ईश**	(च)	परीक्षा	**परि**	**+ ईक्षा**
(छ)	निष्प्राण	**निः**	**+ प्राण**	(ज)	दुस्साहस	**दुः**	**+ साहस**

4. **संधि किए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर लिखिए—**

उत्तर— (क) राकेश (ख) लघूत्तर (ग) न्यून
(घ) शीतऋतु (ङ) गायन

7 समास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) दो या दो से अधिक परस्पर संबंध रखने वाले शब्दों को मिलाकर एक शब्द बनाना समास कहलाता है। उदाहरण—कमल के समान नयन = कमलनयन।

(ख) समस्तपद का विग्रह करके उसे पुन: पहले वाली स्थिति में लाने की प्रक्रिया को समास-विग्रह कहते हैं।

(ग) समास के मुख्यत: छह भेद होते हैं—

1. तत्पुरुष समास; उदाहरण—

समस्तपद	**समास-विग्रह**
यशप्राप्त	यश को प्राप्त
ग्रामगत	ग्राम को गत

2. कर्मधारय समास; उदाहरण—

समस्तपद	**समास-विग्रह**
पुरुषोत्तम	पुरुषों में उत्तम है जो
चरणकमल	कमल के समान चरण

3. द्विगु समास; उदाहरण—

समस्तपद	**समास-विग्रह**
त्रिवेणी	तीन वेणियों (नदियों) का समूह
नवरात्रि	नौ रात्रियों का समूह

4. अव्ययीभाव समास; उदाहरण—

समस्तपद	**समास-विग्रह**
आजन्म	जन्म से लेकर
आमरण	मरण तक

5. बहुव्रीहि समास; उदाहरण—

समस्तपद	**समास-विग्रह**
मुरलीधर	मुरली को धारण किया है जिसने अर्थात् श्रीकृष्ण
दशानन	दस आनन (सिर) हैं जिसके अर्थात् रावण

6. द्वंद्व समास; उदाहरण—

समस्तपद	**समास-विग्रह**
रात-दिन	रात और दिन
सुख-दुख	सुख और दुख

2. रंगीन छपे पदों को समस्तपद में बदलकर पुन: लिखिए—

उत्तर— (क) हर काम विधिनुसार होना चाहिए।

(ख) अकाल पीड़ित लोगों को देख मुझे दया आ गई।
(ग) अनु कामचोरी करने लगी।
(घ) पता नहीं वह रातोंरात कहाँ चला गया?
(ङ) जेब कतरने से सावधान।

3. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कर उनका भेद लिखिए—

उत्तर—

	समस्तपद	**समास-विग्रह**	**समास का भेद**
(क)	नीलकमल	**नीला है जो कमल**	**कर्मधारय समास**
(ख)	लखपति	**लाखों का है जो पति (स्वामी)**	**कर्मधारय समास**
(ग)	घुड़सवार	**घोड़े पर सवार**	**तत्पुरुष समास**
(घ)	यथाशक्ति	**शक्ति के अनुसार**	**अव्ययीभाव समास**
(ङ)	पंचरत्न	**पाँच रत्नों का समूह**	**द्विगु समास**
(च)	ग्रामगत	**ग्राम को गत**	**तत्पुरुष समास**

8 शब्द-भंडार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द एक-दूसरे से मिलता-जुलता अर्थ प्रकट करते हैं, वे पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहे जाते हैं।

(ख) जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ प्रकट करें, वे विपरीतार्थक शब्द या विलोम शब्द कहलाते हैं।

(ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग भाषा को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए किया जाता है।

(घ) एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्दों का प्रयोग करते समय पूर्ण रूप से उनके अर्थ का ध्यान रखना चाहिए।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति सही शब्द से कीजिए—

उत्तर— (क) भ्रष्टाचार के **अपराध** में नेता को गिरफ्तार कर लिया गया।
(ख) भारत में कश्मीर एक सुंदर **पर्यटन** स्थान है।
(ग) परीक्षा के **भय** से अच्छे-अच्छे काँप जाते हैं।
(घ) **विवेक** से काम लेने वाला व्यक्ति ही सफल होता है।

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तर— पर्वत = हिमालय **पर्वत** भारत के उत्तर में स्थित है।
(क) नग नगीना = माणिक्य एक **नगीना** है।
आसमान = आसमान में हवाई-जहाज उड़ रहा है।

(ख) अंबर **वस्त्र** = हमें साफ **वस्त्र** धारण करने चाहिए।

समूह = लक्ष्मण के आते ही रावण के **समूह** में भय छा गया।

(ग) दल **पत्ता** = तुलसी का **पत्ता** उपयोगी जड़ी-बूटी है।

4. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए—

उत्तर— (क)	पक्षी	**खग,**	**पंछी,**	**विहग**
(ख)	गृह	**घर,**	**आवास,**	**आसरा**
(ग)	पवन	**बयार,**	**हवा,**	**वायु**
(घ)	कोयल	**कोकिला,**	**पिक,**	**वसंतदूत**

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर अंतर स्पष्ट कीजिए—

उत्तर— (क) (i) अस्त्र महाऋषि संदीपनी ने श्रीकृष्ण को विशेष **अस्त्र** प्रदान किए।

(ii) शस्त्र शिकारी ने बाघ पर **शस्त्र** से प्रहार किया।

(ख) (i) अली ललिता राधा की प्रमुख **अली** हैं।

(ii) अलि फूलों पर **अलि** मँडरा रहा है।

6. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए—

उत्तर— (क) जो नष्ट होने वाला हो — **नश्वर**

(ख) आँखों के परे — **परोक्ष**

9 संज्ञा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) किसी वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे—गाय दूध देती है, में गाय तथा दूध क्रमशः एक जीव व पदार्थ के नाम है; अतः ये संज्ञा शब्द है।

(ख) संज्ञा के पाँच भेद होते हैं—

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा; जैसे—राम, सीता, भारत आदि।
2. जातिवाचक संज्ञा; जैसे—शेर, मनुष्य, नेता आदि।
3. भाववाचक संज्ञा; जैसे—सजावट, दिखावट, सुख आदि।
4. द्रव्यवाचक संज्ञा; जैसे—सोना, जल, दूध आदि।
5. समुदायवाचक संज्ञा; जैसे—टीम, टुकड़ी, सेना आदि।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी विशेष स्थान, व्यक्ति आदि का बोध कराती है; परंतु जातिवाक संज्ञा एक पूरी जाति का बोध कराती है। उदाहरणार्थ; राम एक मानव है, में राम एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है तथा मानव एक जातिवाचक संज्ञा है।

(घ) भाववाचक संज्ञाएँ पाँच प्रकार के शब्दों से बनाई जाती हैं।

जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना—

जातिवाचक संज्ञा	**भाववाचक संज्ञा**
शिशु	शैशव
देव	देवत्व

सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा बनाना—

सर्वनाम	**भाववाचक संज्ञा**
आप	आपा
पराया	परायापन

विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाना—

विशेषण	**भाववाचक संज्ञा**
सुंदर	सुंदरता
महँगा	महँगाई

क्रिया से भाववाचक संज्ञा बनाना—

क्रिया	**भाववाचक संज्ञा**
पीना	पान
रँगना	रँगाई

अव्यय से भाववाचक संज्ञा बनाना—

अव्यय	**भाववाचक संज्ञा**
समीप	समीपता
दूर	दूरी

(ङ) **समूहवाचक संज्ञा**—जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्तियों, प्राणियों, वस्तुओं आदि के समुदाय का बोध हो, वे समूहवाचक संज्ञा कहे जाते हैं।

द्रव्यवाचक संज्ञा—जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव या पदार्थ का बोध होता है, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के सामने उसका संज्ञा-भेद लिखिए—

उत्तर—

(क)	दूध	**द्रव्यवाचक संज्ञा**	(ख)	चोरी	**भाववाचक संज्ञा**
(ग)	हिमालय	**व्यक्तिवाचक संज्ञा**	(घ)	हरियाली	**जातिवाचक संज्ञा**
(ङ)	चावल	**द्रव्यवाचक संज्ञा**	(च)	नदी	**जातिवाचक संज्ञा**
(छ)	गुच्छा	**समूहवाचक संज्ञा**	(ज)	बचपन	**भाववाचक संज्ञा**

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए—

उत्तर—

(क)	सज्जन	**सज्जनता**	(ख)	मधुर	**मधुरता**
(ग)	मना	**मनाना**	(घ)	उदार	**उदारता**
(ङ)	नारी	**नारीत्व**	(च)	जीतना	**जीत**

10 लिंग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) शब्द के जिस रूप से पुरुष व स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं। उदाहरण- गाय, भैंस, लड़का, लड़की आदि।

(ख) हिंदी में लिंग दो भेद होते हैं—पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

2. निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग लिखिए—

उत्तर—	(क)	देवर	**देवरानी**	(ख)	तपस्वी	**तपस्विनी**
	(ग)	भवदीय	**भवदीया**	(घ)	वक्ता	**वक्त्री**
	(ङ)	मूर्ख	**मूर्खा**	(च)	यशस्वी	**यशस्विनी**

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग निर्धारित कीजिए—

उत्तर—	(क)	आँख	**स्त्रीलिंग**	(ख)	हिमालय	**पुल्लिंग**
	(ग)	नर्मदा	**स्त्रीलिंग**	(घ)	पूर्णिमा	**स्त्रीलिंग**
	(ङ)	घर	**पुल्लिंग**	(च)	सप्ताह	**पुल्लिंग**

4. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य पुनः लिखिए—

उत्तर— (क) छात्रा विद्यालय जा रहा है।
(ख) नेत्री जी अच्छी वक्त्री हैं।
(ग) वह कुशाग्रबुद्धि बालिका है।
(घ) आयुष्मति भव।
(ङ) मैंने इस युवती को कभी नहीं देखा।

11 वचन

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं; जैसे—रीमा सब्जी लाती है तथा रीमा सब्जियाँ लाती है। इन दोनों वाक्यों में सब्जी तथा सब्जियाँ एकवचन व बहुवचन को दर्शाते हैं। हिंदी में वचन दो प्रकार के होते हैं—

(ख) **एकवचन**—संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे—गाय, पुस्तक, बच्चा, केला, मेज, कुरसी, लड़की आदि।

बहुवचन—संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से दो या दो से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे—गायें, पुस्तकें, बच्चे, केले, मेजें, कुरसियाँ, लड़कियाँ आदि।

(ग) सदैव एकवचन रहने वाले चार शब्द—दूध, चावल, तरल, विकास।

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए—

उत्तर—

(क)	कथा	**कथाएँ**	(ख)	गन्ना	**गन्ने**
(ग)	सपेरा	**सपेरे**	(घ)	कविता	**कविताएँ**
(ङ)	दूरी	**दूरियाँ**	(च)	गुड़िया	**गुड़ियाँ**
(छ)	वधू	**वधुएँ**	(ज)	प्रजा	**प्रजा**

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन निर्धारित कीजिए—

उत्तर—

(क)	साइकिलें	**बहुवचन**	(ख)	कन्या	**एकवचन**
(ग)	आँख	**एकवचन**	(घ)	आत्मा	**एकवचन**
(ङ)	बकरियाँ	**बहुवचन**	(च)	अबलाएँ	**बहुवचन**

12 कारक

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं। कारक के आठ भेद होते हैं।

(ख)

भेद	**विभक्ति चिह्न**	**भेद**	**विभक्ति चिह्न**
कर्ता कारक	ने	कर्म कारक	को
करण कारक	से, के द्वारा	संप्रदान कारक	को, के लिए
अपादान कारक	से (अलग होना)	संबंध कारक	का, के, की
अधिकरण कारक	में, पर	संबोधन कारक	हे!, अरे!

(ग) कर्म कारक और संप्रदान कारक दोनों का विभक्ति-चिह्न 'को' है, परंतु इनमें निम्नलिखित अंतर होता है—

1. कर्म कारक का 'को' विभक्ति-चिह्न क्रिया के फल का आधार होता है; जैसे—'राहुल ने सेब को काटा' इस वाक्य में 'सेब' क्रिया 'काटा' के फल का आधार है।
2. संप्रदान कारक में प्रयुक्त 'को' से किसी के लिए कुछ करने का भाव व्यक्त होता है; जैसे—'नेहा ने बच्चों को खिलौने दिए'। इस वाक्य में नेहा के द्वारा देने का भाव है। अत: 'बच्चों' संप्रदान कारक है।

(घ) करण कारक तथा अपादान कारक दोनों का विभक्ति-चिह्न 'से' है, परंतु दोनों में अंतर है। करण कारक की 'से' विभक्ति का अर्थ 'के द्वारा' है, जिससे क्रिया की जाती है, परंतु अपादान कारक का 'से' चिह्न 'अलग होने' के भाव को प्रकट करता है; जैसे—

करण कारक	**अपादान कारक**
रोहित कार से दिल्ली जाएगा।	राहुल छत से कूद गया।
राघव कलम से कहानी लिखेगा।	विवेक के हाथ से कलम छूट गया।

उपर्युक्त सभी वाक्यों में 'से' कारक चिह्न का प्रयोग हुआ है, लेकिन करण कारक में 'से' विभक्ति 'के द्वारा' के रूप में प्रयुक्त हुई है और अपादान कारक में 'अलग होने के रूप में' प्रयुक्त हुई है।

2. उचित विभक्ति चिह्न लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) बेटा माँ **के लिए** उपहार लाया है।

(ख) सिपाही **ने** चोर **को** डंडे **से** मारा।

(ग) **अरे!** तुम कब आए?

(घ) डॉक्टर **ने** मरीज **को** दवा दी।

3. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन पदों के कारक लिखिए—

उत्तर— (क) अधिकरण कारक (ख) करण कारक (ग) संप्रदान कारक

(घ) संबंध कारक (ङ) अपादान कारक

13 सर्वनाम

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। उदाहरणार्थ—राम प्रतिदिन विद्यालय जाता है; में राम के स्थान पर 'वह' प्रतिदिन विद्यालय जाता है का प्रयोग भी किया जा सकता है। यहाँ 'वह' एक सर्वनाम है।

(ख) सर्वनाम के छह भेद होते हैं—

1. पुरुषवाचक सर्वनाम; उदाहरण—मैं आज मुंबई आऊँगा।
2. निश्चयवाचक सर्वनाम; उदाहरण—यह मेरा पर्स है?
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम; उदाहरण—दरवाजे पर कोई है।
4. संबंधवाचक सर्वनाम; उदाहरण—जो परिश्रम करेगा वो सफल होगा।
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम; उदाहरण—यह बस्ता किसका है?
6. निजवाचक सर्वनाम; उदाहरण—मैं अपने आप ही खाना बना लूँगी।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद—पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं—

(i) उत्तम पुरुष; उदाहरण—मैं सेब खा रहा हूँ। मैंने तुम्हें कुछ नहीं दिया।

(ii) मध्यम पुरुष; उदाहरण—तुम्हारा नाम क्या है? तुमने मुझसे सच बोला।

(iii) अन्य पुरुष; उदाहरण—वह आज नहीं आएगा। उसे कुछ नहीं कहना है।

(घ) **संबंधवाचक सर्वनाम**—जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वाक्य में प्रयुक्त दूसरे संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ संबंध स्थापित करने के लिए किया जाता है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—जो परिश्रम करेगा वो सफल होगा। जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

2. **निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम छाँटिए व उसका भेद लिखिए—**

	सर्वनाम	**भेद**
(क)	कुछ	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ख)	कोई	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ग)	मैंने	उत्तम पुरुषावाचक सर्वनाम
(घ)	लगता हे	निश्चयवाचक सर्वनाम
(ङ)	स्वयं	निजवाचक सर्वनाम

3. **निम्नलिखित सर्वनामों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

उत्तर—

(क)	स्वयं	मैं **स्वयं** अपना खाना बनाती हूँ।
(ख)	मैं	**मैं** आज दिल्ली जाऊँगा।
(ग)	वह	**वह** कहीं गया है।
(घ)	जो-वो	**जो** वहाँ जाएगा **वो** परेशान होगा।

14 विशेषण

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

(ख) विशेषण जिस शब्द की विशेषता प्रकट करता है, उसे विशेष्य कहते हैं।

(ग) विशेषण के चार भेद होते हैं—1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण 3. परिमाणवाचक विशेषण 4. सार्वनामिक विशेषण

(घ) सार्वनामिक विशेषण तथा सर्वनाम में प्रमुख अंतर इस प्रकार है—सर्वनाम संज्ञा-शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं जिससे भाषा में उत्कृष्टता आए।

वहीं, सार्वनामिक विशेषण संज्ञा शब्दों से पहले आकर उनकी विशेषता बताते हैं।

(ङ) विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं—1. मूलावस्था 2. उत्तरावस्था 3. उत्तमावस्था।

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप से रिक्त स्थान पूरे कीजिए—**

उत्तर— (क) मैंने एक **भयंकर** चेहरा देखा। (ख) पाप का नाश करो **पापी** का नहीं।

(ग) गाँव का रास्ता **पथरीला** है।

(घ) माता जी ने बहुत **स्वादिष्ट** खाना बनाया है।

(ङ) हम सब **भारतीय** हैं।

3. **निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटिए व उसका भेद लिखिए—**

उत्तर—

(क)	ठंडी	(गुणवाचक विशेषण)
(ख)	साँवले	(गुणवाचक विशेषण)

(ग) अनेक (परिमाणवाचक विशेषण)

(घ) जंगली (गुणवाचक विशेषण)

15 क्रिया

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के होने या करने का बोध हो, उन्हें क्रिया कहते हैं।

(ख) **सकर्मक क्रिया**—जिन क्रियाओं का कर्म होता है और क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे—नेहा खाना खाती है। प्रीति पुस्तक पढ़ती है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'खाना', 'पुस्तक', 'गाना' व 'घर' कर्म हैं। अत: इन वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ सकर्मक हैं।

अकर्मक क्रिया—जिन क्रियाओं का कर्म नहीं होता तथा जिन क्रियाओं का फल कर्ता पर पड़ता हो, वे अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं; जैसे—मोहित दौड़ता है। हवा चलती है।

इन वाक्यों में 'दौड़ता', 'चलती', 'हँसता' तथा 'सोता' अकर्मक क्रियाएँ हैं।

(ग) प्रयोग की दृष्टि से क्रिया के छह भेद होते हैं—1. सामान्य क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. नामधातु क्रिया 4. प्रेरणार्थक क्रिया 5. पूर्वकालिक क्रिया 6. विधिसूचक क्रिया।

(घ) क्रिया का मूलरूप धातु कहलाता है।

2. निम्नलिखित वाक्य सकर्मक और अकर्मक क्रिया के उदाहरण हैं। इन वाक्यों के सामने सकर्मक या अकर्मक, जो उचित हो, लिखिए—

उत्तर— (क) सकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया

(ग) सकर्मक क्रिया (घ) अकर्मक क्रिया

3. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं को रेखांकित करके उनके भेदों को लिखिए—

उत्तर— (क) सामान्य क्रिया (ख) नामधातु क्रिया

(ग) प्रेरणार्थक क्रिया (घ) पूर्वकालिक क्रिया

4. निम्नलिखित शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए—

उत्तर—

(क)	रंग	**रंगवाना**	(ख)	अपना	**अपनाना**
(ग)	गर्म	**गर्माना**	(घ)	लाज	**लजाना**
(ङ)	थपथप	**थपथपाना**	(च)	दोहरा	**दोहराना**
(छ)	हाथ	**हथियाना**	(ज)	बात	**बतियाना**

16 काल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के मुख्यत: तीन भेद होते हैं—1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल।

(ग) **भूतकाल**—क्रिया के जिस रूप से कार्य के बीते हुए समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं।
भूतकाल के छह भेद होते हैं।

(घ) **भविष्यत् काल**—क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि कार्य आने वाले समय में होगा, वह भविष्यत् काल कहलाता है।

2. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार काल-परिवर्तन करके पुन: लिखिए—

उत्तर— (क) वह खाना खाता है। (ख) हमें अच्छा लगता था।
(ग) शायद वह क्रिकेट खेले। (घ) मानव गृह कार्य कर रहा है।

17 वाक्य-विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) शब्दों के व्यवस्थित व सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं। जैसे—वह विद्यालय जाता है।

(ख) वाक्य के दो अंग होते हैं—

1. **उद्देश्य**—वाक्य में जिसके बारे में बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

2. **विधेय**—उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं।

(ग) रचना के आधार पर वाक्य-भेद—रचना के आधार पर वाक्यों के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं—

(क) सरल (साधारण) वाक्य—जिस वाक्य में एक उद्देश्य और एक ही विधेय हो, उसे सरल वाक्य कहा जाता है; जैसे—नेहा कविता पढ़ रही है।

(ख) संयुक्त वाक्य—जिस वाक्य में दो स्वतंत्र उपवाक्य किसी समानाधिकरण समुच्चयबोधक द्वारा परस्पर जुड़े हुए हों, वह संयुक्त वाक्य होता है; जैसे—पहले वह पतला था और अब चिंतामुक्त रहने पर मोटा हो गया है।

(ग) मिश्रित वाक्य—जिस वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और शेष आश्रित उपवाक्य हों, उसे मिश्रित वाक्य कहा जाता है। मिश्रित वाक्य में उपवाक्य व्यधिकरण समुच्चयबोधक शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं; जैसे—अध्यापक ने कहा कि कल छुट्टी रहेगी।

(घ) अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद—अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं—

(क) विधानवाचक वाक्य—जिन वाक्यों में क्रिया के करने या होने का सामान्य कथन हो, उन्हें विधानवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे—हिंदी हमारी राजभाषा है।

(ख) निषेधवाचक वाक्य—जिन वाक्यों से क्रिया के न करने या न होने का बोध हो, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे—वह रवि के बिना चल नहीं सकता।

(ग) प्रश्नवाचक वाक्य—जिन वाक्यों से किसी कार्य अथवा विषय के संबंध में प्रश्न पूछने का बोध हो, वे प्रश्नवाचक वाक्य कहलाते हैं; जैसे—क्या आप चिकित्सक हैं?

(घ) विस्मयवाचक वाक्य—जिन वाक्यों से प्रसन्नता, आश्चर्य, घृणा, शोक जैसे भावात्मक आवेगों का बोध हो, उन्हें विस्मयवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे—अहा! कैसा सुंदर दृश्य है।

(ङ) आज्ञावाचक वाक्य—जो वाक्य आज्ञा, आदेश या उपदेश का बोध कराएँ, उन्हें आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं; जैसे—तुम यहाँ से चले जाओ।

(च) इच्छावाचक वाक्य—जिन वाक्यों से कर्ता की कामना, इच्छा, आशा आदि का बोध हो, वे इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं; जैसे—ईश्वर तुम्हें चिरायु करे!

(छ) संदेहवाचक वाक्य—जिन वाक्यों से कार्य के होने या करने में संदेह प्रकट होता हो, वे संदेहवाचक वाक्य कहलाते हैं; जैसे—शायद आज तेज धूप निकले।

(ज) संकेतवाचक वाक्य—जिन वाक्यों से एक क्रिया का दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध हो, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे—यदि वर्षा होती, तो चावल अच्छे पैदा होते।

2. निम्नलिखित वाक्यों के भेद अर्थ के आधार पर लिखिए—

उत्तर— (क) आज्ञावाचक वाक्य (ख) विस्मयवाचक वाक्य
(ग) निषेधवाचक वाक्य (घ) आज्ञावाचक वाक्य

3. निम्नलिखित वाक्यों को साधारण वाक्यों में बदलिए—

उत्तर— (क) शेखर आते ही वापस चला गया। (ख) माँ थैला उठाकर बाजार चली गईं।
(ग) घड़ा नीचे गिरकर टूट गई।
(घ) वर्षा होने पर हम घर से बाहर नहीं निकले।

4. निम्नलिखित वाक्यों को संयुक्त वाक्यों में बदलिए—

उत्तर— (क) वह पढ़ा और खेलने चला गया।
(ख) जब बारिश होती है तो मोर नाचता है।
(ग) चाचा जी आगरा और फिर चेन्नई जाएँगे।

(घ) राहुल आया और चला गया।

5. निम्नलिखित वाक्यों को मिश्रित वाक्यों में बदलिए—

उत्तर— (क) जैसे ही तुमने कहा कि सब मान गए।
(ख) मेरा घोड़ा शक्तिशाली है इसलिए तेज दौड़ता है।
(ग) जेसे ही उसने पत्र दिया वह चला गया।
(घ) कुछ लोग होते हैं इसलिए दूसरों की निंदा करते हैं।

18 वाच्य

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) क्रिया के जिस रूप से उसके कर्ता, कर्म या भाव के अनुसार होने का बोध हो, उसे वाच्य कहते हैं। वाच्य के मुख्यत: तीन भेद होते हैं।

(ख) **कर्तृवाच्य**—जिस वाक्य की क्रिया कर्ता के अनुसार होती है, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं; जैसे—लड़की सो रही है। आकाश में चिड़ियाँ उड़ रही हैं।

(ग) **कर्मवाच्य**—क्रिया के जिस रूप में कर्म की प्रधानता होती है तथा वाक्य में क्रिया कर्म के लिंग, वचन आदि के अनुसार ही प्रयोग की जाती है, उसे कर्मवाच्य कहते हैं; जैसे—नेहा से सेब खाया गया। अध्यापिका के द्वारा कहानी सुनाई गई।

(घ) **भाववाच्य**—क्रिया के जिस रूप में न कर्ता की प्रधानता हो और न कर्म की, बल्कि जहाँ क्रिया का भाव ही मुख्य विषय हो, उसे भाववाच्य कहते हैं;

2. निर्देशानुसार वाक्य बदलिए—

उत्तर— (क) धोबी ने कपड़े धोए। (ख) दादी के द्वारा कहानी सुनाई जाती है।
(ग) मैं हँस नहीं सकता। (घ) पक्षियों से उड़ा जाता है।
(ङ) मदन से गाया जाता है। (च) सागर खेल नहीं सकता।
(छ) नौकरानी द्वारा सफाई की गई। (ज) नेहा द्वारा रस्सी कूदी गई।
(झ) राधा गा नहीं सकती। (ञ) पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त वाच्यों के भेद पहचानकर लिखिए—

उत्तर— (क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) भाववाच्य

4. निम्नलिखित वाक्यों को कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए—

उत्तर— (क) सलमान नहीं जाएगा। (ख) आओ चलते हैं।
(ग) पक्षी उड़ते हैं। (घ) रवि ने निबंध लिखा।
(ङ) मालिन ने माला बनाई। (च) बंदर ने केला खाया।

19 अव्यय शब्द

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) वे शब्द जिनमें लिंग, वचन और काल की दृष्टि से कोई रूप परिवर्तन नहीं

होता, उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं।

(ख) अव्यय शब्द पाँच प्रकार के होते हैं—

1. क्रियाविशेषण — तेज दौड़ना, कम खाना आदि।
2. संबंधबोधक — के सामने, के नीचे आदि।
3. समुच्चयबोधक — अन्यथा, वरना आदि।
4. विस्मयादिबोधक — वाह! हाय! आदि।
5. निपात — ही, भी आदि।

(ग) वे अव्यय शब्द जो वाक्य में किसी शब्द के बाद लगकर विशेष प्रकार का बल देते हैं, उन्हें निपात कहते हैं।

2. उचित क्रियाविशेषण लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तर— (क) वह **अचानक** गायब हो गया।
(ख) गरीबों की सहायता **सदैव** करनी चाहिए।
(ग) **रातभर** वर्षा होती रही। (घ) चाय में मीठा **कम** डाला है।
(ङ) उतने चावल लो **जितना** खा सको।(च) दक्ष बाजार से **अभी** लौटा है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक अव्यय छाँटकर लिखिए—

उत्तर— (क) तो (ख) अथवा (ग) क्योंकि (घ) कि
(ङ) तो (च) इसलिए (ङ) अन्यथा

4. अव्यय शब्दों को सही स्थान पर लिखिए—

उत्तर—

क्रियाविशेषण	**जल्दी-जल्दी, हाथोंहाथ**
समुच्चयबोधक	**क्योंकि, वरना, लेकिन**
संबंधबोधक	**के आगे, के बराबर, की अपेक्षा, ऊपर**
विस्मयादिबोधक	**शाबाश, अरे, ओह**
निपात	**ही, भी, तो**

5. वाक्यों में रंगीन शब्द विशेषण है या क्रियाविशेषण लिखिए—

उत्तर— (क) क्रियाविशेषण (ख) क्रियाविशेषण (ग) विशेषण
(घ) क्रियाविशेषण (ङ) क्रियाविशेषण (च) क्रियाविशेषण

6. उचित विस्मयादिबोधक शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—

उत्तर— (क) **ओह!** कितनी सरदी है। (ख) **अरे!** तुम कब आए?
(ग) **सावधान!** आगे गड्ढा है। (घ) **क्या!** ये कैसे हो गया?
(ङ) **धन्य!** तुमने तो कमाल कर दिया। (च) **अजी!** आपने मुझे बुलाया।
(छ) **शाबाश!** तुम कक्षा में प्रथम आए हो। (ज) **छि:!** कितनी गंदगी है।

20 विराम-चिह्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

उत्तर— (क) भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थानों पर रुकने का संकेत करने वाले

चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) विस्मय, शोक, घृणा, हर्ष या आश्चर्य आदि का भाव प्रकट करने के लिए या किसी को संबोधित करने के लिए विस्मयसूचक चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है।

2. **निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त स्थानों पर विराम-चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए—**

उत्तर— (क) माँ बच्चे को सुलाती है। (ख) वाह! कितनी अच्छी गुड़िया है।
(ग) क्या सोहन ज्वर से पीड़ित है? (घ) तुम्हारा घर कहाँ है?
(ङ) नहीं; मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। (च) यह कहानी 'कादंबिनी' में छपी है।
(छ) दशरथ के पुत्र थे; राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न।

21 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

उत्तर— (क) मुहावरे ऐसे वाक्यांश होते हैं जो अपने शाब्दिक अर्थ से अलग किसी अन्य अर्थ की ओर संकेत करते हैं।

(ख) लोकोक्ति का अर्थ है—लोक (लोग) + उक्ति (प्रचलित बात) अर्थात् जन साधारण की प्रचलित बात; जैसे—चिराग तले अँधेरा।
इस लोकोक्ति से आशय है कि जिस प्रकार चिराग के जलने के बाद भी उसके नीचे अँधेरा रहता है। उसी प्रकार बहुत-से लोग किसी चीज के निकट रहकर भी उससे वंचित रहते हैं।

(ग) मुहावरे व लोकोक्ति में प्रमुख अंतर यह हे कि मुहावरों का प्रयोग वाक्यों के साथ किया जाता है व लिंग, वचन आदि के अनुसार इनमें परिवर्तन भी होता है। परंतु लोकोक्ति वाक्य का अंग नहीं होती हैं। यह स्वतंत्र रूप से वाक्य के रूप में प्रयुक्त होती है।

2. **निम्नलिखित मुहावरों व लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

उत्तर— (क) अंग-अंग मुसकराना **बहुत प्रसन्न होना**—प्रेरणा की जब से नौकरी लगी है, उसका **अंग-अंग मुसकाना रहा है**।

(ख) गड़े मुरदे उखाड़ना **बीती हुई बातों को व्यर्थ याद करना**—रमा लड़ाई होते ही **गड़े मुरदे उखाड़ने लगती है**।

(ग) गागर में सागर भरना **थोड़े में बहुत कुछ कहना**—आज करण ने अपने भाषण में **गागर में सागर भर दिया था**।

(घ) मान-न-मान, मैं तेरा मेहमान **जबरदसती गले पड़ना**—आज बाजार में श्वेता मिली और जबरदस्ती मेरे साथ घर आ गई। वही बात हो गई **मान-न-मान, मैं तेरा मेहमान**।

3. दिए गए वाक्यों में से मुहावरे चुनकर लिखिए—

उत्तर— (क) लोहा लेना। (ख) डींगे मारना।
(ग) ठोकर खाना, आँखें खुलना। (घ) आकाश से बातें करना।

4. निम्नलिखित वाक्यांशो के लिए उपयुक्त लोकोक्तियाँ लिखिए—

उत्तर— (क) आम के आम गुठलियों के दाम।
(ख) खोदा पहाड़ निकली चुहिया।
(ग) ऊँची दुकान, फीका पकवान।
(घ) जल में रहकर मगर से बैर।
(ङ) दूध का दूध, पानी का पानी करना।

22 पत्र-लेखन

1. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य
विद्या भारती पब्लिक स्कूल
वाराणसी।
दिनांक : 7 अप्रैल, 20XX

विषय—छात्रवृत्ति हेतु प्रार्थना-पत्र

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मैं एक निर्धन छात्र हूँ; मेरे पिता एक साधारण श्रमिक हैं। महोदय, मैं सदैव विद्यालय में अनुशासित रहा हूँ और विगत वर्षों से अपनी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहा हूँ। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण मैं अपनी शिक्षा सुचारु रूप से नहीं चला पा रहा हूँ।

आपसे निवेदन है कि आप मुझे छात्रवृत्ति प्रदान करने की कृपा करें। मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद।
शोएब सिद्दीकी
कक्षा-8 (अ)

4. डाकपाल को डाकिये के लापरवाही से पत्र बाँटने के लिए एक शिकायती-पत्र लिखिए।

सेवा में,
डाकपाल
डाकघर, करोलबाग
नई दिल्ली।

विषय—डाकिये द्वारा समय पर डाक नहीं बाँटने के विषय में।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं करोलबाग क्षेत्र का निवासी हूँ। यह क्षेत्र आपके डाकघर के अंतर्गत आता है। विगत कई माह से हमारे मुहल्ले का डाकिया समय पर डाक नहीं पहुँचा रहा है। इससे मुहल्लेवासियों को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। मुझे भी कई बार अपने जरूरी तार और बैंक से संबंधित पत्र आदि बहुत विलंब से प्राप्त हुए है।

आपसे निवेदन है कि आप शीघ्र इस समस्या का समाधान करें और हमारे मुहल्ले के डाकिये पर उचित कार्यवाई करें।

आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद।

भवदीय
अर्शदीप
करोलबाग।

7. अपने छोटे भाई को समय का सदुपयोग करने के लिए पत्र लिखिए।

सी–3/36, जनकपुरी
नई दिल्ली।
17 अगस्त, 20.....

प्रिय अनुज,

शुभाशीष!

आज ही तुम्हारे अध्यापक श्री भारद्वाज जी का पत्र मिला। यह जानकर अत्यंत खेद हुआ कि तुम अपना समय पढ़ाई में न लगाकर व्यर्थ की बातों में गँवा रहे हो।

प्रिय भाई, समय एक अमूल्य वस्तु है। संसार में हर वस्तु दोबारा प्राप्त की जा सकती है, पर बीता हुआ समय नहीं। जो व्यक्ति समय के महत्व को नहीं पहचानता, उसे जीवन में असफलताओं का सामना करना पड़ता है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। जो विद्यार्थी समय का उपयोग सही ढंग से करता है, वही जीवन में उन्नति करता है। अत: समय के मूल्य को पहचानो और नियमित ढंग से अपनी पढ़ाई करो। यदि तुमने समय का सदुपयोग करना सीख लिया तो जीवन में कुछ भी कर पाना तुम्हारे लिए असंभव नहीं होगा।

मुझे आशा है कि तुम समय के महत्व को पहचान कर अपना भविष्य उज्जवल बनाने का प्रयत्न करोगे।

तुम्हारा अग्रज,
वैभव

9. परीक्षा में प्रथम आने पर मित्र को बधाई–पत्र लिखिए।

564 सी, शास्त्रीनगर
मेरठ।
दिनांक : 10 अप्रैल, 20XX

प्रिय प्रथमेश,
सस्नेह नमस्कार!

तुम्हारा पत्र मिला था। यह पढ़कर बहुत प्रसन्नता हुई कि हर वर्ष की तरह इस बार भी तुमने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुझे विश्वास था कि तुम्हारा परिश्रम व्यर्थ नहीं जाएगा। आशा है कि तुम आगे भी ऐसे ही परिश्रम करते रहोगे। मैं तुम्हारे उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। आशा है वहाँ सब कुशल मंगल होंगे। अंकल-आंटी को मेरा नमस्कार कहना। आशा है जल्दी ही तुमसे भेंट होगी।

तुम्हारा अभिन्न मित्र
आशीष कुमार

10. पेयजल संकट के संबंध में जल बोर्ड को शिकायती-पत्र लिखिए।

सेवा में
अधिकारी
दिल्ली जल बोर्ड
करोल बाग
नई दिल्ली

विषय—गुलाबी बाग क्षेत्र में पेयजल समस्या हेतु।

मान्यवर,

मैं गुलाबी बाग क्षेत्र की पेयजल समस्या की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। इस क्षेत्र में पीने की पानी की गंभीर समस्या है। यहाँ पानी की आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं होती। यहाँ दो-दो दिन तक पानी नहीं आता है। जब आता है तो पानी इतना गंदा होता है कि उससे कई बीमारियाँ फैलने की आशंका रहती है। कई बार तो पानी में से दुर्गंध आती है। दिल्ली की इस भयंकर गरमी में पानी के बिना जीवन कितना कष्टप्रद होगा इसका अनुमान तो सहज ही लगाया जा सकता है।

मेरा आपसे अनुरोध है कि गुलाबी बाग के निवासियों की कठिनाइयों को गंभीरता से समझते हुए पेयजल संकट दूर करने हेतु उचित कदम उठाएँ। हम सब आपके अति आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित
भवदीय
संभव
गुलाबी बाग

23 अनुच्छेद-लेखन

निम्नलिखित शीर्षकों पर अनुच्छेद लिखिए—

(ख) रोचक रेल-यात्रा

हम सभी जीवन में किसी ना किसी प्रकार की यात्रा करते रहते हैं। यात्रा के लिए हम भिन्न-भिन्न प्रकार के साधनों का प्रयोग करते हैं। इन्हीं में से एक है—रेल या

ट्रेन। मुझे रेल-यात्रा बहुत प्रिय है। विगत वर्ष मैं रेल द्वारा वाराणसी गया था। मैं सुबह ही स्टेशन पहुँच गया और रेल आते ही अपनी सीट पर बैठ गया। संयोग से मुझे खिड़की की सीट मिली थी। पूरे रास्ते मैं खिड़की से सुंदर दृश्यों का लुल्फ उठाता रहा। रेल का खाना अपने आप में एक विशिष्ट अनुभव होता है। मैंने रेल में खाना खाया और फिर आराम में सो गया। शाम को आँखें खुली तो देखा हल्की-हल्की वर्षा हो रही थी। मैंने गर्मागर्म चाय ली और बाहर से आती ठंडी-ठंडी हवाओं का आनंद लेने लगा। रात को मैंने इडली-डोसा खाया और सूप पीकर सो गया। सुबह आँख खुली तो वाराणसी स्टेशन आ गया था। मैं अपने इस रोचक रेल-यात्रा को सदैव याद रखूँगा।

(घ) राजभाषा हिंदी

भारत देश में कई भाषाएँ बोली जाती हैं। परंतु हिंदी भारत की एक प्रमुख भाषा है। स्वतंत्रा-आंदोलन के समय से ही यह देश के बड़े भू-भाग को एक सूत्र में पिराने का काम करती रही है। स्वतंत्रता के बाद अंग्रेजी के साथ-साथ आज दक्षिण-भारत में भी धीरे-धीरे प्रचलित हो रही है। हिंदी सिनेमा के कारण आज विदेशों में भी लोग हिंदी के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। संयुक्त-राष्ट्र में भारतीय नेताओं ने हिंदी में भाषण देकर उसका गौरव बढ़ाया है। आज हिंदी विश्व की तीसरी सबसे जयादा बोली जाने वाली भाषा बन गई है। हमें हिंदी के प्रति अन्य भाषी लोगों के पूर्वाग्रहों को समाप्त करके उसे वास्तव में भारत की संपर्क भाषा बनाए जाने का प्रयास करना चाहिए।

24 कहानी-लेखन

(क) नीचे दिए गए संकेतों के आधार पर कहानियाँ पूरी कीजिए और उनके शीर्षक लिखिए—

उत्तर— 1. दो बिल्लियाँ भोजन की तलाश में भटक रही थी। वे बहुत भूखी थीं। तभी उन्हें एक जगह रोटी का एक टुकड़ा पड़ा हुआ दिखाई दिया। दोनों बिल्लियाँ रोटी के उस टुकड़े पर झपट पड़ीं। दोनों उस रोटी पर अपने-अपने अधिकार जमा रही थीं। रोटी के टुकड़े को लेकर वे आपस में झगड़ने लगीं। कुछ दूरी पर एक बंदर इन दोनों की लड़ाई देख रहा था। बंदर बहुत चालाक था। वह भी भूखा था। उसने रोटी के इस टुकड़े को खाने की तरकीब सोची। वह इन बिल्लियों के पास आया और उनसे लड़ने का कारण पूछा। दोनों बिल्लियाँ रोटी के टुकड़े को अपना बता रही थीं। बंदर बोला, ''अगर तुम चाहो, तो मैं तुम्हारा झगड़ा निपटा सकता हूँ। मैं इसी रोटी के दो बराबर टुकड़े करके तुम दोनों को दे सकता हूँ।'' बिल्लियाँ चालक बंदर की बातों में आ गईं और बंदर की बात मान ली। बंदर कहीं से एक तराजू ले आया। उसने रोटी के दो हिस्से किए और एक-एक हिस्सा दोनों पलड़ों में रखा।

एक पलड़ा भारी हो गया क्योंकि दूसरे पलड़े का टुकड़ा कुछ बड़ा था। बंदर ने उसमें से छोटा-सा अंश तोड़कर खा लिया। इस तरह कभी एक पलड़ा भारी हो जाता, तो कभी दूसरा। बंदर हर बार छोटा-छोटा टुकड़ा तोड़-तोड़कर खाता जाता। ऐसा करते-करते रोटी के दोनों टुकड़े बहुत ही छोटे रह गए। अब बिल्लियाँ चुप न रहीं, बोली, ''बंदर जी हमें तुम्हारा न्याय नहीं चाहिए। हम अपना फैसला खुद ही कर लेंगी। लाओ जितना टुकड़ा बचा है, हमें दे दो।''

बंदर मुसकराया और बोला, ''ये दोनों टुकड़े तो मेरी मजदूरी है।'' इतना कहकर बंदर रोटी के उन छोटे-छोटे टुकड़ों को भी चट कर गया ओर चलता बना। मूर्ख बिल्लियाँ एक-दूसरे का मुँह देखती रह गईं। वे अपनी मूर्खता पर बहुत पछताईं। पर अब क्या हो सकता था।

शिक्षा—छोटी-छोटी बातों पर झगड़ना उचित नहीं।

3. एक बार की बात है किसी जंगल में एक खतरनाक शेर रहता था। वह रोज शिकार करने जंगल में जाता और जानवरों को मारकर खा जाता। जंगल के जानवर उसके आतंक से त्रस्त आ गये थे। एक दिन सब जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों ने जंगल में एक सभा का आयोजन किया ओर शेर को भी उसमें आमंत्रण दिया। शेर के सम्मुख एक बूढ़े हाथी ने कहा—''महाराज! हम सभी जीव आपके शिकार के कारण अत्यंत त्रस्त हो गए है।'' शेर ने क्रोधित होते हुए कहा—''ये जंगल मेरा हैं। यहाँ मेरा राज चलेगा।'' हाथी ने कहा—''महाराज, एक उपाय है जिससे जीवों को कुछ राहत मिल सकती है। प्रतिदिन एक जीव स्वयं ही आपकी गुफा में आ जाया करेगा। आप शिकार न किया करें।'' शेर इस बात पर सहमत हो गया और प्रतिदिन एक जानवर उसके पास जाने लगा। ऐसे ही एक दिन खरगोश की बारी आई। खरगोश चिंतित हो गया और पूरा दिन इधर उधर भटकता रहा। शाम को जब वह शेर की गुफा पहुँचा तो शेर गुस्से से बोला—''अरे मूर्ख कहाँ कहाँ रह गया था तू।'' खरगोश ने कहा—''क्षमा चाहता हूँ महाराज, मगर बड़ी मुश्किल, मगर बड़ी मुश्किल से प्राण बचाकर यहाँ तक आया हूँ। रास्ते में एक बड़े खतरनाक शेर ने मुझे रोक लिया था। जब मैंने उसे कहा कि मैं आपके पास रहा हूँ तो वह बोला कि वह बूढ़ा शेर शिकार भी नहीं कर सकता।'' उसकी बात सुनकर शेर आग-बबूला हो गया और बोला—''मुझे उस स्थान पर ले चलो जहाँ वह शेर मिला था। मैं उसे मार डालूँगा।'' खरगोश उसे एक कुएँ के पास ले जाकर बोला यही रहता है वो। शेर ने कुएँ में देखा तो अपनी परछाईं को दूसरा शेर समझ वो क्रोध में जल उठा और कुएँ में कूद गया और पानी में डूबकर मर गया। इस प्रकार बुद्धिमानी से खरगोश ने अपनी जान बचा ली।

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों के आधार पर कहानी लिखिए—

उत्तर— 1. अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत।

एक जंगल में एक भैंस और हिरन रहते थे। उन दोनों में गहरी मित्रता थी। भैंस, लोमड़ी और भेड़ियों से हिरण की रक्षा करती और हिरन भी किसी बड़े शिकारी

जानवर के आने पर भैंस को चेतावनी दे देता था। परंतु भैंस स्वभाव से बहुत आलसी थी। वहीं हिरण चुस्त-दुरुस्त रहता था। एक दिन वे दोनों आराम कर रहे थे कि सुंदरी कोयल वहाँ घबराती हुई आई। उन दोनों ने कहा, ''अरे! सुंदरी क्या हुआ?'' सुंदरी ने उन्हें बताया कि दूसरे जंगल से जंगली कुत्तों का बहुत बड़ा झुंड यहाँ कि और बढ़ा चला आ रहा है। किरण ने भैंस से कहा, ''बहन, हमें यहाँ से दूर कहीं जाना पड़ेगा।'' भैंस ने कहा ठीक है। अगले दिन हिरन ने इधर-उधर खोज करनी प्रारंभ कर दी। परंतु भैंस लापरवाह होकर यूँ ही सोती रही। कुछ दिन बाद हिरण ने एक गुफा ढूँढ निकाली। उसने भैंस से कहा कि चलो यहाँ से वरना कुत्ते कभी भी यहाँ आते होंगे। भैंस ने कहा, ''अरे! ऐसी भी क्या जल्दी? जब वो आएँगे तो देखेंगे।'' ऐसे करते-करते कई दिन बीत गए। कुत्तों का झुंड जंगल में प्रवेश कर गया था। चारों तरफ हाहाकार मच गया। हिरण दौड़ता हुआ आया और भैंस से कहा कि, ''अब समय नहीं है। तुरंत चलो यहाँ से।'' भैंस बोली, ''ठीक है।'' परंतु तभी वहाँ कुत्ते आ पहुँचे। हिरण उन्हें तुरंत भागकर गुफा में छिप गया, परंतु भैंस के पास तो कोई जगह ही नहीं थी। वो बोली, ''हे भगवान! काश मैंने पहले ही कोई उपाय कर लिया होता।'' परंतु अब पछताने से क्या होने वाला था। कुत्तों ने भैंस पर हमला करके उसे मार डाला।

शिक्षा—हमें सदैव भविष्य का विचार करके वर्तमान में योजनाएँ बनानी चाहिए।

2. पराधीन सपनेहुँ सुख नाहिं।

एक बार की बात है; एक जंगल में एक तोता रहता था। वह अपने पंख फैलाएँ आकाश में विचरण करता रहता था। एक बार वह घूमता-घूमता एक गाँव में आ गया। वहाँ उसने देखा कि एक घर में बिल्कुल उसी के जैसा एक तोता पिंजरे में कैद था। वो उसके पास गया ओर बोला, ''तुम कौन हो? यहाँ कैसे पहुँचे?'' पिंजरे का तोता बोला, ''मैं मिट्‌ठू हूँ! यही मेरा घर है। तुम कौन हो?'' जंगल का तोता बोला, ''मैं एक जंगली तोता हूँ और तुम जिसे घर कहते हो वो एक कैद-खाना है।'' पिंजरे का तोता बोला, ''नहीं ऐसा कुछ नहीं है। मैं यहाँ सुरक्षित हूँ, खाना समय पर मिलता है। कभी-कभी बाहर घूम भी लेता हूँ। मैं गुलाम नहीं हूँ।'' जंगली तोता बोला, ''अगर ऐसा है तो एक दिन के लिए अपने मालिक की बात ना मान, फिर देख क्या होता है।'' पिंजरे का तोता बोला ठीक है। अगले दिन पिंजरे के तोते ने ना कुछ खाया और बोला। वो चुपचाप यूँ ही पड़ा रहा। थोड़ी देर बाद उसका मालिक आया और उसे बोलने के लिए कहने लगा। परंतु तोता नहीं बोला। गुस्से में उसके मालिक ने एक लाहे की पतली छड़ उसके पेट में घोंप दी। वो बोला, ''बोलता हैं की नहीं।'' परंतु तोता नहीं बोला। अगले दिन जंगली तोता फिर वहाँ आया ओर वही हुआ जिसका डर था। पिंजर का तोता मर चुका था। जंगली तोते को यह देखकर अत्यंत कष्ट हुआ। उसने कहा, ''काश! तुम स्वतंत्रता का मोल पहले ही समझ लेते तो आज जीवित होते। सच ही कहा गया है कि पराधीन सपनेहुँ सुख नाहिं।''

शिक्षा—स्वतंत्र जीवन अनमोल होता है।

25 निबंध-लेखन

निम्नलिखित शीर्षकों पर निबंध लिखिए—

(क) स्वतंत्रता दिवस

''स्वराज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है।'' लोकमान्य तिलक का यह नारा आज भी हमारे हृदय को उद्वेलित करता है। नि:संदह जो आत्म-संतोष स्वतंत्रता में है, वह पराधीनता में कहाँ? ईश्वर ने किसी को गुलाम पैदा नहीं किया, तो फिर मनुष्य का मनुष्य पर यह अत्याचार क्यों?

भारतवर्ष सैकड़ों वर्षों तक परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ा रहा, तो भी पिंजरबंद्ध की भाँति गर्जना करता रहा और 15 अगस्त, 1947 को इस दासता के पिंजरे से मुक्त हो गया। 15 अगस्त भारतवर्ष का महान राष्ट्रीय महोत्सव है। इस दिन जब इस स्वतंत्र राष्ट्र के प्रथम प्रधानमंत्री स्व० जवाहरलाल नेहरू ने लालकिले पर प्रथम बार झंडा फहराया तो स्वाधीन भारतवासियों ने राष्ट्र का अभिनंदन करते हुए कहा—

जय स्वतंत्र भारत जय जननि, जय नवभारत है।

भारत को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में देखकर प्रत्येक भारतवासी प्रसन्नता से झूम उठा। इस स्वतंत्रता को प्राप्त करने के लिए देशवासियों को भीषण संघर्ष करना पड़ा। देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वप्रथम सन् 1857 में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अपने सहयोगियों तात्या टोपे, नाना साहब एवं बहादुर शाह जफर के साथ मिलकर रणचंडी का आह्वान किया, किंतु अंग्रेजों ने अपनी शक्ति के प्रयोग से उसे दबा दिया। स्वतंत्रता की जो चिंगारी इन स्वतंत्रता-प्रेमियों ने लगाई थी वह बुझी नहीं थी, बल्कि अंदर ही अंदर सुलग रही थी। देश में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध प्रत्येक भारतवासी विद्रोह करने के लिए तैयार हो गया। चारों ओर बस यही स्वर सुनाई देने लगा—

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।
देखना हे जोर कितना बाजुए कातिल में है।

एक ओर गांधी जी के अहिंसक आंदोलन ने अंग्रेजी सरकार की नींद हराम कर दी तो दूसरी ओर क्रांतिकारियों ने अपने फौलादी इरादों और बलिदान से अंग्रेजी सरकार को भारत छोड़ने पर विवश कर दिया। इस प्रकार 15 अगस्त, 1947 की अर्धरात्रि को शताब्दियों की खोई स्वतंत्रता भारत को पुन: प्राप्त हो गई।

तब से प्रतिवर्ष प्रत्येक नगर में स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लस से मनाया जाता है। इस दिन देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर ध्वज फहराते हैं और राष्ट' को संबोधित करते हैं। संस्थाओं एवं संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भारतवासी राष्ट्र के प्रति अपना सम्मान एवं निष्ठा प्रकट करते हैं।

यह स्वतंत्रता दिवस उन वीर भारतवासियों के त्याग एवं बलिदान की याद दिलाता

है, जिन्हें हँसते-हँसते देश पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यह वह पवित्र दिन है जब भारत ने आजादी की खुली हवा में साँस ली थी।

अत: हम सबका यह कर्तव्य है कि हम आपसी भेदभाव भुलाकर राष्ट्‘ की उन्नति को और अग्रसर करने में अपना सहयोग दें।

(ग) पर्यावरण

पर्यावरण का अर्थ है—चारों ओर का आवरण। हमारे चारों ओर उपस्थित प्राकृतिक तत्व दिखाई देते हैं, वे सभी मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं। भूमि, जल, वायु जंगल और उनमें रहने वाले जीव-जंतु सभी पर्यावरण के अंग हैं। इनके परस्पर संतुलित अवस्था में रहने पर पर्यावरण संतुलित रहता है। पर्यावरण का यही संतुलन मानव और अन्य प्राणियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और उनके अस्तित्व को बनाए रखता है। परंतु मानव ने अपने स्वार्थों के लिए पर्यावरण से अत्यधिक छेड़छाड़ की है। उसने जंगल के जंगल साफ कर डाले हैं। विवेकपूर्ण ढंग से उद्योग-धंधों की स्थापना की है तथा परिवहन के लिए वाहनों का प्रयोग कर रहा है। इन कारणों से हमारे पर्यावरण में जहाँ एक ओर वृक्षों के कटने से कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं चारों ओर का वातावरण धुएँ, शोरगुल, जहरीली गैसों और दूषित जल से परिपूर्ण हो गया है। यही पर्यावरण का प्रदूषण है।

वायु जीवन की प्रथम आवश्यकता है। वृक्ष वायुमंडल में उपस्थित कार्बन डाइऑक्साइड को शोषित कर ऑक्सीजन छोड़ते हैं।इससे वायुमंडल शुद्ध बना रहता है। परंतु आज वृक्षों की अत्यधिक कटाई से वातावरण में ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का संतुलन बिगड़ गया है। बड़े शहरों और महानगरों में तो शुद्ध वायु की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हानिकारक गैसों और धुएँ के साथ अत्यधिक घातक रसासन कण भी होते हैं। इनसे लोगों में आँख, गले, शवास, त्वचा के रोग बढ़ रहे हैं।

जल के बिना प्राणी जीवित नहीं रह सकते। मानव ने अपने जल-स्त्रोतों को ही प्रदूषित कर डाला है। नगरों की गंदगी, कारखानों से निकले व्यर्थ जहरीले रसायन नदियों, तालाबों में छोड़ दिए जाते हैं। जिससे आज इन प्राकृतिक जल-स्त्रोतों का जल अत्यधिक प्रदूषित हो गया है। नहाने, कपड़े धोने, कूड़ा-कचरा फेंकने से भी जल-स्त्रोतों का जल प्रदूषित हो जाता है। इस प्रदूषित जल के सेवन से हैजा, टाइफाइड, पेचिश, पीलिया आदि रोग फैलते हैं। कारखानों से नदियों में छोड़े जाने वाले जहरीले रसायन जल-जीवों के लिए अत्यधिक घातक सिद्ध हो रहे हैं। आज गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियाँ भी प्रदूषित हो चुकी हैं।

बड़े-बड़े नगरों में ध्वनि-प्रदूषण भी बहुत बढ़ गया हे। अनेक प्रकार के वाहन, लाउडस्पीकर एवं औद्योगिक संस्थानों की मशीनों से उत्पन्न शोर ध्वनि प्रदूषण करता है। इससे सुनने की शक्ति पर बुरा प्रभाव पड़ता है साथ ही सिर दर्द, अनिद्रा, रक्तचाप की शिकायत भी उत्पन्न होती है। अत्यधिक शोर हृदय रोगियों के लिए प्राणघातक सिद्ध हो सकता है। परमाणु शक्ति के उत्पादन व नाभिकीय विखंडन ने

वायु, जल व ध्वनि तीनों प्रदूषणों की काफी बढ़ा दिया है। विभिन्न देशों द्वारा अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले अंतरिक्षयानों ने भी वायुमंडल को प्रभावित किया है। अमरीका इत्यादि देशों के औद्योगिक संस्थानों से निकली गैसों से वातावरण में गर्मी बढ़ रही है। इसे 'ग्लोबल वार्मिंग' कहा जा रहा है। इसी प्रकार प्रगति भी मानव जीवन के लिए अभिशाप बनती जा रही है। अति औद्योगिकीकरण अत: प्रदूषण की समस्या का युद्ध स्तर पर निराकरण होना चाहिए अन्यथा इसके भयंकर परिणाम हमारी आगे आनेवाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे।

प्रदूषण की समस्या से बचने के लिए वनों का विनाश रोककर वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। नगरों में दूषित पदार्थों के निष्कासन के लिए नगर से दूर समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। नगरों सफाई अभियान चलाए जाएँ तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाया जाए। स्वच्छ पेयजल के लिए जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाया जाना चाहिए। कल-कारखानों को वायुमंडल एवं नदी-तालाबों में विषैले तत्व छोड़ने से रोकना चाहिए।

(ङ) मेरी प्रिय पुस्तक

पुस्तकें मनुष्य की सच्ची साथी होती हैं। मनुष्य ज्ञान व मनोरंजन दोनों के लिए पुस्तकें पढ़ता है। मुझे भी पुस्तकें पढ़ने का बहुत शौक है। मेरी प्रिय पुस्तक प्रख्यात लेखिका महादेवी वर्मा द्वारा रचित 'मेरा परिवार' है। यह पुस्तक महादेवी वर्मा जी द्वारा रर्चित एक संस्मरण-रूपी पुस्तक हैं। इस पुस्तक में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ी कई कथाओं का बड़ा ही अनुपम वर्णन किया है। लेखिका को बचपन से ही पशु-पक्षियों से विशेष लगाव रहा है। उन्होंने अपने कई पालतू जीवों के मर्मस्पर्शी संस्मरण यहाँ लिखे हैं। इनमें 'गिल्लू'' तथा 'नीलकंठ' नामक कहानियाँ तो अत्यंत प्रसिद्ध हैं। भारत के कई विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में ये दोनों कहानियाँ सम्मिलित की गई हैं। बच्चों को यह कहानियाँ अत्यंत पसंद आती हैं। मैं जब भी 'मेरा परिवार' पुस्तक को पढ़ता हूँ तो एक अनोखी दुनिया में खो जाता हूँ। 'मेरा परिवार' की प्रत्येक कहानी अपने आपमें एक विशेष सुंदरता समेटे है। महादेवी जी पाठक को स्वयं से इस प्रकार जोड़ लेती हैं कि पाठक उनके शब्दों के पीछे दर्द और आनंद को अपना समझने लगता है। इसी कारण उनको 'विरह की गायिका' और 'आधुनिक युग की मीरा' कहा गया है। मैं कई बार 'मेरा परिवार' पुस्तक को पढ़ चुका हूँ, लेकिन हर बार मुझे उसे पढ़कर आनंद की अनुभूति होती है। मैं अपने छोटे भाई-बहनों को जब इस पुस्तक को पढ़ाकर सुनाता हूँ तो उन्हें बड़ा आनंद आता है। मैं सभी को एक बार 'मेरा परिवार' पुस्तक पढ़ने की सलाह देता हूँ। आप इस पुस्तक को पढ़कर अपने बचपन को पुन: जी सकते हैं।

(छ) भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार दो शब्दों के योग से बना है भ्रष्ट + आचार। भ्रष्ट का तात्पर्य है बुरा या बिगड़ा हुआ और आचार का अर्थ है—आचरण अत: भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है—वह आचरण जो किसी प्रकार से अनुचित और अनैतिक है।

वर्तमान युग में जीवन इतना सरल, सहज नहीं है जितना कि माना जाता है। हमें पग–पग पर ऐसे शोचनीय व्यवहारों का सामना करना पड़ता हे, जिन्हें देखकर व सुनकर विस्मय और दु:ख की अनुभूति होती है। आज समाज में अनैतिकता, अराजकता, स्वार्थपरता चारों तरफ फैली हुई है। कर्तव्यपरायणता, सत्यप्रियता, नि:स्वार्थता तथा परोपकार की भावनाएँ जो कभी मानता के प्रतीक चिह्न के रूप में थीं, कहीं किसी कोने में दबकर रह गई हैं।

भ्रष्टाचार के मुख्य कारणों में असंतोष पहला कारण हे। जब एक व्यक्ति के मन में दूसरे व्यक्ति के प्रति हीनता, ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होती है तो वह इन भावनाओं के कारण भ्रष्टाचार का शिकार हो जाता है। अन्याय और निष्पक्षता के अभाव में भ्रष्टाचार का जन्म होता है। जब प्रशासन या समाज किसी व्यक्ति या वर्ग के प्रति अन्याय करता है या उसका शोषण करता है; तो ऐसे में व्यक्ति या वर्ग उसके प्रति निष्पक्ष नहीं रह पाता और अपनी दुर्भावना भ्रष्टाचार का उत्पन्न करने में लगा देता है तब इसी के फलस्वरूप चोरी, रिश्वतखोरी और छलकपट का जन्म होता है।

भ्रष्टाचार एक ऐसी दलदल है। जिसमें एक बार फँसा व्यक्ति कभी इससे बाहर नहीं निकल पाता। आज समाज के चारों तरफ भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहराई तक फैली हुई हैं। मिलावट, भाई–भतीजावाद अनुचित मुनाफाखोरी, कर्तव्य पालन में कोताही, सरकारी साधनों का गलत इस्तेमाल आदि भ्रष्टाचार के रूप हैं।

यद्यपि भ्रष्टाचार उन्मूलन एक बहुत बड़ा कार्य है, तथापि इस दिशा में प्रयास करने की अत्यंत आवश्यकता है। हमारी शिक्षा प्रणाली में नैतिक शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रत्येक विभाग में चारित्रिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मानदंड निर्धारित होने चाहिए। जिनमें प्रशासन को नेताओं के दबाव से मुक्त करना चाहिए। नागरिकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों का ज्ञान होना चाहिए। मतदान के समय लालच या बहकावे में न आकर उचित व्यक्ति का ही चयन किया जाना चाहिए।